संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 179
पृष्ठ 8
गुरूवार
20 मार्च 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित
Email : shaharsamta@gmail.com
Website : https://Shaharsamta.com
सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- प्रेग्नेंसी का संकेत हो सकता है...
विचार- वक्फ बोर्ड: मुस्लिमों की सुने सरकार!
खेल- आईपीएल के 'वन सीजन वंडर'...

सीएम योगी ने कमांड सेंटर का किया निरीक्षण, बोले-

जनहित के कार्यों में लापरवाही स्वीकार

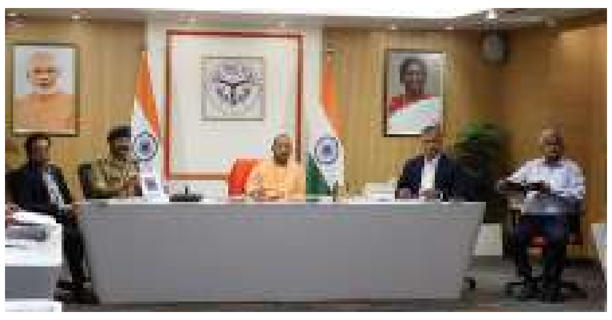

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनहित के कार्यों में लापरवाही को अस्वीकार बताया है। उन्होंने कहा है कि अच्छे लोगों की कहीं कोई कमी नहीं है, इन्हें प्रोत्साहन मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बुधवार को लाल बहादुर शास्त्री भवन स्थित सीएम कमांड सेंटर का निरीक्षण किया और प्रदेश भर में विभिन्न विभागों और परियोजनाओं के परफॉर्मेंस की भी जानकारी ली। उन्होंने विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि सिर्फ तीन कैटेगरी ए, बी और सी के तहत विभागों और योजनाओं की मॉनीटरिंग की जानी चाहिए। इसके तहत जनपद स्तर पर प्रतिदिन, अल्टरनेट दिनों में, साप्ताहिक और पाक्षिक समीक्षा की जानी चाहिए। इसके लिए जनपद स्तर पर अधिकारी की तैनाती की जाए, जो देखे कि रिपोर्ट में जो डेटा दिया जा रहा है वो कितना सही है। इसके बाद महीने में एक बार मंत्री स्तर पर समीक्षा की जाए और सभी रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रस्तुत की जाएं। मुख्यमंत्री ने वरासत, लैंड यूज जैसी सुविधाओं के निर्धारण में समय सीमा का पालन करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में फ्लैगशिप योजनओं की प्रगति को ट्रैक व मॉनिटर करने के लिए एक रैंकिंग प्रणाली विकसित की गई है। इसमें क्वालिटी और स्पीड पर ध्यान देना आवश्यक है। जिन विभागों और परियोजनाओं की क्वालिटी और स्पीड कमजोर है, उसे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसमें भी हमारा प्रयास होना चाहिए कि ये सभी कैटेगरी परफॉर्मेंस बेस्ड हों तथा सबकी जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। बेहतर परफॉर्मेंस करने वाले विभागों के विषय में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें नंबर नहीं देखना है, बल्कि हमारा फोकस क्वालिटी पर होना चाहिए। क्वालिटी और ट्रांसपेरेंसी दोनों आवश्यक है। उन्होंने एमएसएमई विभाग को निर्देश दिया कि ओडीओपी को आगे बढ़ाना होगा। देखना होगा कि क्या इसमें जनपदों के विशिष्ट फूड को भी जोड़ा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परफॉर्मेंस का जो डेटा विभाग देते हैं, उनकी रैंडम चेकिंग की जाए। मुख्य सचिव स्तर पर होने वाली समीक्षा बैठकों में टॉप–10 विभागों और योजनाओं पर चर्चा की जाए। जो विभाग और योजनाएं टॉप पर हैं, उनका प्रजेंटेशन सबके सामने रखा जाए और उन्हें बताया जाए कि किस तरह कार्य करना है और कहां कमी रह गई है। उनकी रिपोर्ट और सक्सेस स्टोरीज को बाकी के साथ शेयर किया जाना चाहिए। ये भी देखा जाना चाहिए कि जो लोग पीछे हैं उसके पीछे कारण क्या है। उन्होंने कड़े शब्दों में निर्देश दिए कि यदि सरकार जो स्कीम या अभियान चलाती है और अगर वह 100 प्रतिशत सैचुरेटेड नहीं होता तो उसका उद्देश्य अपूर्ण है। नियमित रूप से उनकी चेकिंग होनी चाहिए। हर विभाग अपने स्तर पर हर दिन मॉनीटरिंग करे। उन्होंने कहा कि स्कीम बनाते समय अधिकारी यह जरूर ध्यान दें कि इसका लाभ अधिकतम लोगों तक पहुंच सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल छोटे टार्गेट देकर खानापूर्ति नहीं करना चाहिए, बल्कि इसे क्षमता आधारित बनाना चाहिए। आईजीआरएस की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आईजीआरएस के संदर्भ के विषय में संतुष्टिकरण का प्रतिशत बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि रेवेन्यू, पुलिस, हेल्थ, जिला प्रशासन, नगर निगम, पंचायती राज व अन्य संबंधित विभाग शिकायतों से जुड़े पक्ष को जवाबदेह बनाएं। समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता में रखते हुए टेक्नोलॉजी का उपयोग करें। महत्वपूर्ण परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समस्त परियोजनाएं समय पर चलें, इसको प्राथमिकता में रखते हुए आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। कानपुर मेट्रो समेत अन्य परियोजनाओं की निरंतर फोटो अपलोड किए जाने के लिए भी मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया, ताकि अधिकारी अपडेट रहें। ई–अधियाचन के मामलों को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि समस्त अधियाचन भेजे जाने से पहले विभाग स्तर पर चेक किए जाएं। उन्होंने निवेश मित्र पेंडिंग मामलों के भी जल्द से जल्द निस्तारण के आदेश दिए।

सदन को मुफ्त सुविधाओं पर विचार-विमर्श करने की आवश्यकता : धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी। सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि शांति व्यवस्था, तुष्टिकरण, जिसे अक्सर मुफ्त सुविधाएं कहा जाता है, पर इस सदन को विचार–विमर्श करने की आवश्यकता है, क्योंकि पूंजीगत व्यय उपलब्ध होने पर ही देश आगे बढ़ता है। श्री धनखड़ ने सदन में शून्यकाल के दौरान यह टिप्पणी उस समय की जब समाजवादी पार्टी के प्रो.रामगोपाल यादव ने सांसद निधि को बढ़ाकर वार्षिक 20 करोड़ रुपए करने की मांग की। प्रो.यादव ने कहा कि पहले एक हैंडपंप लगाने की लगत 15 हजार रुपए थी लेकिन अब यह बढ़कर 85 हजार से एक लाख रुपए तक हो गई है। उन्होंने कहा कि सांसद निधि से विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए हर दिन सैकड़ों लोग आते हैं लेकिन लागत बढ़ने के कारण राशि की उपलब्धता कम होने के कारण अधिकांश लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ता है जिसका सीधा असर लोकसभा चुनाव पर दिखाता है और इस वजह से करीब एक तिहाई सांसद चुनाव हार जाते हैं। उन्होंने इस निधि को लेकर सरकार को सुझाव देते हुए कहा कि इस निधि को सालाना 20 करोड़ रुपए कर दिया जाए या फिर इसको समाप्त कर दिया जाए। प्रो.यादव का कई अन्य सदस्यों ने भी समर्थन किया। इसके बाद सभापति ने अपनी टिप्पणी में कहा कि चुनावी प्रक्रिया ऐसी है कि ये चुनावी प्रलोभन बन गए हैं और उसके बाद सत्ता में आने वाली सरकारें खुद को बहुत असहज महसूस करती हैं, इतनी असहज कि वे अपने विचारों पर फिर से विचार करना चाहती हैं। एक राष्ट्रीय नीति की तत्काल आवश्यकता है ताकि किसी भी रूप में सरकार के सभी निवेशों का व्यवस्थित तरीके से व्यापक हित में उपयोग किया जा सके। उन्होंने कहा हमारे संविधान में विधानमंडल, सांसदों, विधायकों का प्रावधान था, लेकिन एक समान व्यवस्था नहीं थी। इसलिए आप पाएंगे कि कई राज्यों में विधानसभाएं संसद सदस्यों से कहीं ज़्यादा विधानसभा सदस्यों को भत्ते और वेतन देती हैं, और यहां तक कि विधानसभा के पूर्व सदस्य के लिए पेंशन में भी एक से 10 के पैमाने पर अंतर होता है।

राहुल से मिले एलआईसी एजेंट, रामलीला मैदान में भी किया प्रदर्शन

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जीवन बीमा निगम(एलआईसी) एजेंटों के प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों को लेकर आज यहां लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात करने के साथ ही रामलीला मैदान में जबरदस्त प्रदर्शन कर सरकार से जीवन बीमा संबंधित हाल में किये गये बदलावों को वापस लेने की मांग की। एलआईसी एजेंटों का प्रतिनिधित्व करने वाले चार अखिल भारतीय यूनियनों के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने संसद भवन में श्री गांधी से मुलाकात की और कहा कि सरकार ने एजेंटों के प्रति न्याय नहीं कर रही है और उन पर शिकंजा कस रही है जिसके कारण उन्हें दिक्कत हो रही है। उन्होंने श्री गांधी से सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह किया और कहा कि जो नये नियम थोपे गये हैं है उन्हें वापस लिया जाना चाहिए। इस बीच एजेंटों के एक अन्य संगठन यूनाइटेड फोरम ऑफ एलआईसी एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व में देशभर से आये 12 हजार से अधिक एजेंटों ने यहां रामलीला मैदान में प्रदर्शन किया और कहा कि बीमा धारकों पर जीएसटी नहीं लगना चाहिए और बीमा करने की उम्र 50 वर्ष नहीं बल्कि 55 वर्ष की जानी चाहिए। प्रदर्शनकारी एजेंटों ने कहा कि एजेंटों के वित्तीय अधिकारों को सरकार बीमा अधिनियम 1938 के तहत संसद के माध्यम से बहाल करे और एजेंटों की जो भी समस्याएं हैं उनके समाधान में सरकार की भागीदारी हो।

सुनीता विलियम्स को भारत रत्न दिया जाना चाहिए : ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष में करीब नौ महीने बिताने के दौरान आई चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। बनर्जी ने विधानसभा में सुनीता विलियम्स और उनके बचाव दल को बधाई दी तथा अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी पर वापस लाने में उनके सराहनीय प्रयासों की प्रशंसा की। अंतरिक्ष यात्री

सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर अन्य दो अंतरिक्ष यात्रियों के साथ स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल के जरिए पृथ्वी पर लौट आए हैं। ममता बनर्जी ने विधानसभा में कहा, '' पश्चिम बंगाल विधानसभा विलियम्स और एक अन्य अंतरिक्ष यात्री को बचाने वाली टीम को धन्यवाद देना चाहती है, जो कई महीनों से अंतरिक्ष में फंसे हुए थे। मैं उन्हें और सुनीता विलियम्स को बधाई देती हूं। मुझे लगता है कि उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए।'' इस बीच, पश्चिम बंगाल के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने बुधवार को नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष में नौ महीने बिताने के बाद सुरक्षित धरती पर लौटने पर बधाई दी। विलियम्स को बधाई देने वाली तख्तियां लेकर भाजपा विधायक विधानसभा परिसर में एकत्र हुए। सत्र का पहला भाग समाप्त होने के बाद भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष ने पार्टी विधायकों के समूह का नेतृत्व किया। भाजपा के करीब 30 विधायक प्रवेश द्वार के पास खड़े थे, जिनमें से प्रत्येक के हाथ में विलियम्स की एक तस्वीर थी, जिसके नीचे अभिनंदन सुनीता विलियम्स और भारतेर कन्या लिखा हुआ था।

अखिलेश यादव का दावा: महाकुंभ में हजार से ज्यादा श्रृद्धालु लापता

प्रयागराज में अभी भी पोस्टर लगे हुए हैं

लखनऊ, संवाददाता। लोकसभा में पीएम मोदी के महाकुंभ वाले बयान पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि हम सभी को महाकुंभ और कुंभ बार–बार याद आता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि भारत सरकार ने महाकुंभ के आयोजन के लिए कितना बजट दिया। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सिर्फ यह व्यवस्था कर रहे थे कि वाहन कहां पार्क किए जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि लोगों को रोका जा रहा था, उन्हें सीमा में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा था। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा और उसके लोगों को कम से कम उन श्रद्धालुओं के परिवारों की मदद करनी चाहिए जिनके परिवार के सदस्य खो गए हैं और अभी भी करीब 1000 हिंदू लापता हैं। भाजपा को लापता 1000 हिंदुओं की जानकारी उनके परिवारों को देनी चाहिए। प्रयागराज में अभी भी पोस्टर लगे हुए हैं। यह दुखद है कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार उन पोस्टरों को हटवा रही है। सरकार को कम से कम उन 1000 हिंदुओं को खोजने की कोशिश करनी चाहिए जो लापता हैं। नागपुर हिंसा पर यादव ने कहा कि जहां भी ऐसे दंगे होते हैं, भाजपा उसका फायदा उठाना चाहती है, सब कुछ भाजपा के इशारे पर होता है। सुनने में आ रहा है कि (छत्रपति शिवाजी महाराज) का तिलक पैर के अंगूठे से किया गया। उत्तर प्रदेश में डीएसपी का घर जला दिया गया, सरकारी गाड़ी जला दी गई। शाहजहांपुर में भाजपा के लोगों ने पुलिस को दौड़ा–दौड़ा कर पीटा, सीतापुर में पत्रकार को गोली मार दी गई, इलाहाबाद में बेटी के साथ जो हुआ, उसकी कोई कल्पना नहीं कर सकता, ये बड़े सवाल हैं।

ऑनलाइन गेमिंग की 1097 साइट बंद की जा चुकी हैं: अश्विनी वैष्णव

नयी दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि सरकार ऑनलाइन गेमिंग की समस्या को लेकर गंभीर है और 1097 गेमिंग साइट बंद की जा चुकी हैं। श्री वैष्णव ने प्रश्न काल में एक सवाल के जवाब में कहा कि राज्य सरकारों के साथ समन्वय से ऑनलाइन गेमिंग और साइबर क्राइम पर अंकुश लगाने के प्रयास निरंतर जारी हैं। उन्होंने कहा कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप राज्य सरकारों के साथ मिलकर इस समस्या से निजात पाने के लिये तेजी से काम करेंगे। केन्द्र सरकार राज्य सरकारों के साथ मिलकर इस पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में नियमन इकाई बेहतर काम कर सकती है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन गेमिंग के चंगुल से लोगों को खासकर बच्चों को बचाने के प्रयास के तहत 1097 ऑनलाइन गेमिंग साइट बंद की जा चुकी हैं।

केंद्र को एचसी का निर्देश, रान्या राव और उनके पिता को बदनाम करने से मीडिया को रोकने के लिए उचित कदम उठाए

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव और कर्नाटक सरकार में पुलिस महानिदेशक रैंक के अधिकारी पिता रामचंद्र राव के खिलाफ मीडिया आउटलेट्स को झूठी और अपमानजनक सामग्री प्रसारित या प्रकाशित करने से रोकने के लिए उचित कदम उठाए। यह आदेश सोने की तस्करी के एक मामले से संबंधित चल रही कानूनी कार्यवाही के संदर्भ में जारी किया गया था जिसमें रान्या राव को गिरफ्तार किया गया था और न्यायिक हिरासत में रखा गया था। अभिनेता को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था, जहाँ अधिकारियों ने कथित तौर पर अभिनेत्री से 12.56 करोड़ रुपये की सोने की छड़ें जब्त की थीं। कथित तौर पर उसके आवास की तलाशी के परिणामस्वरूप 2.06 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण और 2.67 करोड़ रुपये की भारतीय मुद्रा जब्त की गई। 12 मार्च को रान्या राव की मां एच.पी. रोहिणी ने सिविल कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसने एकपक्षीय आदेश जारी कर मीडिया को 2 जून तक अभिनेता के खिलाफ कोई भी बयान देने से रोक दिया था। बाद में उनके पिता द्वारा दायर याचिका के बाद उच्च न्यायालय ने भी इसी तरह का निर्देश जारी किया था। इन न्यायिक आदेशों के बावजूद, परिवार का दावा है कि कुछ मीडिया आउटलेट सनसनीखेज और नुकसानदेह सामग्री प्रकाशित करना जारी रखे हुए हैं। उच्च न्यायालय के समक्ष उनकी याचिका में तर्क दिया गया है कि मामले पर निष्पक्ष रिपोर्टिंग करने के बजाय, मीडिया ने आरोपियों के खिलाफ चरित्र हनन का अभियान चलाया है।

बिल गेट्स ने भाजपा अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री नड्डा से की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के संस्थापक बिल गेट्स ने बुधवार को यहां भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण रसायन एवं ऊर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से मुलाकात की। श्री नड्डा ने संसद भवन स्थित अपने कार्यालय में हुई इस मुलाकात में गेट्स फाउंडेशन के साथ साझीदारी में भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में विशेष रूप से मातृ स्वास्थ्य, टीकाकरण और स्वच्छता के क्षेत्रों में हासिल उपलब्धियों की सराहना की। श्री गेट्स ने स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत द्वारा निर्धारित महत्वाकांक्षी लक्ष्यों की सराहना की और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भारत के साथ साझेदारी करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने निदान और दवाओं की लागत को कम करने, दुनिया भर में सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम करने में भारत द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की।

राष्ट्र को सर्वोपरि रखकर कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए निडरता से लक्ष्य हासिल करें लोग : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोगों से आह्वान किया है कि वे मेजर बॉब खाथिंग के सिद्धांत के अनुरूप सदैव राष्ट्र को सर्वोपरि रखें, एकजुट रहें, ईमानदारी के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करें तथा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निडरता से आगे बढ़ें। श्री सिंह ने बुधवार को यहां असम राइफल्स और यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया (यूएसआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मेजर बॉब खाथिंग स्मृति कार्यक्रम के पांचवें संस्करण को संबोधित करते हुए यह बात कही। रक्षा मंत्री ने मेजर बॉब खाथिंग को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वह ऐसे असाधारण व्यक्ति थे जिन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा में अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने कहा , " भारत भाग्यशाली है कि यह ऐसे प्रमुख व्यक्तित्वों का घर है जिनके लिए राष्ट्र की सुरक्षा, अखंडता और संप्रभुता सर्वोपरि है। " उन्होंने मेजर खाथिंग को भारत का ऐसा महान सपूत बताया, जिन्होंने युद्ध के मैदान में अपनी बहादुरी और कूटनीति के क्षेत्र में कौशल के माध्यम से देश के इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्वों के आदर्शों और सिद्धांतों को अपनाना लोगों की जिम्मेदारी है। श्री सिंह न केवल तवांग बल्कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के एकीकरण, विकास और पुनर्निर्माण में मेजर खाथिंग की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा, "मेजर बॉब खाथिंग ने राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पूर्वोत्तर के लिए उन्होंने जो काम किया, वह सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए काम के समान है।" रक्षा मंत्री ने कहा कि मेजर बॉब खाथिंग ने एक भी गोली चलाए बिना तवांग को भारत में कुशलतापूर्वक एकीकृत किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ऐसे क्रांतिकारियों के सिद्धांतों का पालन करती है। उन्होंने कहा," हमने एक भी गोली चलाए बिना सबसे बड़ी बाधा – अनुच्छेद 370 – को हटाकर जम्मू–कश्मीर का भारत में पूर्ण विलय किया। सभी हितधारकों को ध्यान में रखते हुए पूरी सुरक्षा के साथ शांतिपूर्वक काम किया गया।" रक्षा मंत्री ने मेजर खाथिंग की प्रशासनिक दक्षता, विशेष रूप से सशस्त्र सीमा बल और नागालैंड सशस्त्र पुलिस के गठन और ऐसे अन्य सुधारों में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसी तरह सरकार प्रशासनिक सुधारों पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा, " न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन और सुशासन के माध्यम से हमने लोगों और सरकार के बीच की खाई को कम किया है।

125 नालों की सफाई करेगा इंजीनियरिंग विभाग

प्रयागराज। बारिश शुरू होने के पहले नगर निगम का इंजीनियरिंग विभाग शहर के 125 नालों की सफाई करेगा। सफाई के लिए इंजीनियरिंग विभाग ने नालों को चिह्नित कर लिया है। 10 अप्रैल से नालों की सफाई शुरू होने की संभावना है। 82 नालों की सफाई के लिए टेंडर भी निकाल दिया गया है। पहले टेंडर में शामिल अधिकतर नाले शहरी क्षेत्र के हैं। चिह्नित 125 नालों की सफाई पर चार करोड़ रुपये खर्च होंगे। नगर निगम इस साल भी बारिश से पहले लगभग छोटे–बड़े नालों की सफाई कराएगा। इंजीनियरिंग के अलावा स्वास्थ्य विभाग 300 से अधिक नालों की सफाई करने की तैयारी कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग भी नालों की सूची तैयार कर निविदा जारी करेगा। नगर निगम के मुख्य अभियंता अनिल मौर्य ने बताया कि नालों की सफाई में मशीनों के साथ मजदूर भी लगाए जाएंगे। नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने बारिश से पहले नालों की सफाई पूरी करने का निर्देश दिया है। कार्यदायी एजेंसियों को नौ महीने तक नालों पर निगरानी करनी होगी, ताकि पानी का प्रवाह रुकने पर पुनरू सफाई हो सके।

कक्षा एक की छात्रा के साथ शिक्षक ने की गंदी हरकत

प्रयागराज। शहर के शादियाबाद प्राइमरी स्कूल की आठ वर्षीय छात्रा के साथ शिक्षक द्वारा घिनौनी हरकत करने का मामला सामने आया। छात्रा ने जब घर पहुंचकर परिजनों को जानकारी दी, तो मामला कर्नलगंज थाने तक पहुंचा। छात्रा की मां की तहरीर पर पुलिस आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है। छात्रा की मां की तहरीर के अनुसार, उनकी आठ वर्षीय बेटी शादियाबाद प्राइमरी स्कूल में कक्षा एक छात्रा है। रोजाना की तरह वह सोमवार विद्यालय पढ़ने गई थी। दूसरे दिन छात्रा स्कूल जाने से इनकार करते हुए रोने लगी। जब उसकी मां ने पूछा, तो उसने पूरी बात बताई। आरोप है कि स्कूल के शिक्षक ने बच्ची को गलत तरीके से स्पर्श किया। स्कूली की छुट्टी होने के बाद भी अपने पास रोके रखा। वह गलत बातें भी बच्ची से कर रहा था। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पांच दिन में चार स्नानार्थी संगम में डूबे

प्रयागराज। महाकुम्भ मेला समाप्त होने के बाद भी प्रतिदिन देश के अलग–अलग प्रांतों से श्रद्धालु संगम में डुबकी लगाने आ रहे हैं। संगम में रोजाना स्नानार्थियों की भीड़ जुट रही है। हालांकि मेला समाप्ति के बाद से घाटों पर सुरक्षा इंतजाम कम हो गए हैं। कई स्नानार्थी बैरिकेडिंग लांघ कर गहरे पानी में चले जा रहे हैं। पांच दिन के अंदर चार स्नानार्थियों की डूबने से मौत हो चुकी हैं। संगम में बीकानेर के एक वृद्ध स्नानार्थी की डूबने से मौत हो गई। राजस्थान के बीकानेर निवासी 72 वर्षीय जगदीश पुरोहित मंगलवार की सुबह लगभग सवा छह बजे अपने पड़ोसी 65 वर्षीय भगवानदास के साथ संगम स्नान करने पहुंचे। यहां स्नान करने के उपरांत जगदीश पुरोहित ने तीन बाद बैरिकेडिंग पार कर गैलन में जल भरने का प्रयास गया, जबकि जल पुलिस के जवानों ने मना किया। इसके बावजूद जगदीश पुरोहित गहरे पानी में चले गए और डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने गोताखारों की मदद से शव को बाहर निकाला। बीते 14 मार्च को जम्मू कश्मीर के डोडा जिले 25 वर्षीय अजीत शर्मा और 24 वर्षीय विजय शर्मा की स्नान के दौरान नारियल से वालीबॉल खेलते समय डूबने से मौत हुई थी। वहीं 16 मार्च को किला घाट के समीप नाव पलटने के हादसे में सहारनपुर की 67 वर्षीय शशि जैन को जान गंवानी पड़ी थी। उधर, जल पुलिस प्रभारी जनार्दन साहनी का कहना है कि मेला समाप्त होने के बाद भी घाटों पर बैरिकेडिंग के साथ ही पुलिस की तैनाती है। कुछ स्नानार्थियों के गाइड लाइन का पालन नहीं करने से डूबने से मौत की घटनाएं हुई हैं।

गंगानाथ झा परिसर में भारतीय ज्ञान परम्परा पर कार्यशाला का शुभारम्भ

प्रयागराज। भारतीय ज्ञान परंपरा केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का आयोजन अत्यंत गरिमामय और वैदिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का विषय ष्भारतीय ज्ञान परंपरा में अनुसंधानष है , जिसमें देश के प्रतिष्ठित विद्वानों, शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने सहभागिता कर रहे हैं। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित बहुभाषाविद् प्रो. गयाचरण त्रिपाठी ने प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा का विश्व को अवदान विषय पर बोलते हुए इसके विविध आयामों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अनुसंधान की भारतीय पद्धतियों, शास्त्रीय ग्रंथों में निहित ज्ञान और आधुनिक अनुसंधान के लिए उनके उपयोग पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए अनुसंधान की गुणवत्ता और मौलिकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का अध्ययन न केवल ज्ञानवर्धन करता है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक जड़ों को भी मजबूत करता है। विशिष्ट अतिथि संस्कृत कवि एवं राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रो. हरिदत्त शर्मा ने अपने उद्बोधन में संस्कृत साहित्य की समृद्ध परंपरा पर प्रकाश डाला। उन्होंने विज्ञान सम्बंधित अनुसंधेय विषयों पर प्रकाश डाला तथा भारतीय ज्ञान परंपरा से सम्बद्ध साहित्य का परिचय कराया। भारतीय साहित्यिक अनुसंधान की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने भारतीय भाषाओं के समन्वय और पारस्परिक संवाद को भी महत्वपूर्ण बताया। द्वितीय सत्र में प्रो. प्रशान्त पी. होले ने श्संस्कृत विज्ञान सन्दर्भों का प्रायोगिक निरूपणश विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने संस्कृत ग्रंथों में वर्णित वैज्ञानिक दृष्टांतों और उनके आधुनिक उपयोगों को विस्तार से प्रस्तुत किया। प्रो. होले ने प्राचीन भारतीय विज्ञान की बहुआयामी प्रासंगिकता को रेखांकित किया और बताया कि कैसे वेदों, उपनिषदों और शास्त्रों में निहित ज्ञान को वर्तमान वैज्ञानिक अनुसंधान में उपयोग किया जा सकता है। प्रतिभागियों ने इस सत्र को अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी बताया। तृतीय सत्र में प्रो. रामकृष्णपेज्जताय ने श्भारतीय गणित और ज्योतिष का वैश्विक प्रसृतिश विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने प्राचीन भारतीय गणितज्ञों जैसे आर्यभट, भास्कराचार्य और ब्रह्मगुप्त के योगदान को रेखांकित किया। प्रो. रामकृष्णपेज्जताय ने भारतीय गणित की वैश्विक प्रभावशीलता को दर्शाते हुए बताया कि किस प्रकार भारतीय ज्योतिषीय गणनाएँ और खगोलीय निष्कर्ष आज भी प्रासंगिक हैं। घ्चतुर्थ सत्र में प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर ने श्आयुर्विज्ञान और कल्याणसंवर्धनश विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने आयुर्वेद के सिद्धांतों, पंचमहाभूतों और त्रिदोष सिद्धांत की व्याख्या करते हुए स्वस्थ जीवनशैली और रोगों की रोकथाम पर प्रकाश डाला। पंचम सत्र में प्रो. तोमर ने श्आयुर्वेद में अनुसंधान तंत्रश विषय पर विस्तृत चर्चा की।

गजबः पॉक्सो में फर्जी बयान दर्ज कर दे दी तीन आरोपियों को क्लीनचिट, पुलिसिया खेल की खुली पोल

प्रयागराज। पुलिसिया खेल की पोल मैनेजर के ही हलफनामे से खुली, जिसमें उसने दावा किया है कि वह न तो विवेचक से कभी मिला, न ही कोई बात हुई। पीड़ित की मां ने अफसरों से इन्साफ की गुहार लगाई है।पीड़िता की मां के मुताबिक, वह हंडिया टोल प्लाजा के पास सपरिवार किराये के मकान में रहती थी।

हंडिया में पॉक्सो एक्ट, किशोरी के अपहरण और छेड़छाड़ के केस में पुलिस ने टोल प्लाजा मैनेजर के फर्जी बयान दर्ज करके तीन आरोपियों को क्लीन चिट दे दी। पुलिसिया खेल की पोल मैनेजर के ही हलफनामे से खुली, जिसमें उसने दावा किया है कि वह न तो विवेचक से कभी मिला, न ही कोई बात हुई। पीड़ित की मां ने अफसरों से इन्साफ की गुहार लगाई है।पीड़िता की मां के मुताबिक, वह हंडिया टोल प्लाजा के पास सपरिवार किराये के मकान में रहती थी।

पति के साथ मिलकर वह एक दुकान चलाती थी। इसी से ही गुजारा होता था। 25

अक्तूबर–24 की रात करीब दो बजे उसकी 15 साल की बेटी को झूंसी निवासी जीशान बहला–फुसलाकर साथ ले गया।हंडिया पुलिस ने अगले दिन पॉक्सो एक्ट, अपहरण व छेड़छाड़ में जीशान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। कुछ दिनों बाद आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया।

16 नवंबर–24 को किशोरी ने कोर्ट को बताया कि जीशान उसे घर से बुलाकर जबरन कार तक ले गया था। इसमें तीन अन्य लड़के सूर्यप्रताप सिंह, आशुतोष तिवारी व बलवंत सिंह भी थे।पुलिस ने इन तीनों लड़कों के नाम भी विवेचना के दौरान जोड़ लिए। 18 दिसंबर–24 को चार्जशीट सिर्फ जीशान के खिलाफ ही दाखिल की गई। अन्य तीनों आरोपियों के बारे में विवेचना जारी रखना बताया गया। कुछ हफ्ते बाद, दो फरवरी–25 को तीनों आरोपियों को गुपचुप क्लीन चिट देते हुए जांच खत्म कर दी गई।

पीड़िता की मां ने आला–अफसरों से की शिकायत में पुलिस पर कई आरोप लगाए हैं। कहा, तीनों आरोपियों का नाम निकालने की शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। इससे पहले रुपये लेकर मुंह बंद कराने का प्रयास हुआ। दबाव भी डाला गया। इन्कार करने पर रोजी–रोटी का एकमात्र साधन रही दुकान भी हटवा दी गई। मजबूरन परिवार को गांव लौटना पड़ा। उन्होंने निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

पंद्रह दिन में 1.35 लाख परीक्षक जांचेंगे तीन करोड़ कॉपियां, बनाए गए हैं 261 केंद्र

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की कॉपियों का मूल्यांकन मंगलवार से शुरू हो गया है, जो दो अप्रैल को पूरा कर लिया जाएगा। 15 दिन के भीतर एक

लाख 34 हजार 723 कॉपियों का मूल्यांकन किया जाएगा। इसके बाद परीक्षाफल घोषित किया जाएगा।

यूपी बोर्ड वर्ष 2025 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन 19 मार्च से शुरू हो गया है। मूल्यांकन कार्य दो अप्रैल को पूरा कर लिया जाएगा। मूल्यांकन में एक लाख 34 हजार 723 परीक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है, जो पंद्रह दिनों में दो करोड़ 96 लाख 93 हजार 855 कॉपियां जांचेंगे।

कॉपियों के मूल्यांकन के लिए प्रदेश में कुल 261 केंद्र बनाए गए हैं। हाईस्कूल में 1,63,22,248 लिखित उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए 84,122 परीक्षक एवं 8,473 उप प्रधान परीक्षक और इंटरमीडिएट में 1,33,71,607 लिखित उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए 50,601 परीक्षक एवं 5,471 उप प्रधान परीक्षक नियुक्त किए गए हैं। यूपी बोर्ड मई के मध्य तक परीक्षाफल घोषित करने की तैयारी में है।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने जिला विद्यालय निरीक्षकों (मुख्य नियंत्रक) के साथ ही परीक्षा केंद्रों के उपनियंत्रकों (प्रधानाचार्यों) को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भेजते हुए यह स्पष्ट किया है कि कि प्रत्येक परीक्षक को प्रतिदिन हाईस्कूल में 50 व कुल अवधि में 700 (कला विषय में 80 व कुल अवधि में 800) एवं इंटरमीडिएट में 45 व कुल अवधि में 600 से अधिक उत्तर पुस्तिकाएं नहीं दी जाएंगी। मूल्यांकन सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में होगा और मांगे जाने पर सीसीटीवी रिकॉर्डिंग उपलब्ध करानी होगी। मुख्य नियंत्रक एवं उप नियंत्रक की जिम्मेदारी होगी कि वह मूल्यांकन कार्य से संबंधित व्यक्ति के अलावा कोई अन्य व्यक्ति मूल्यांकन केंद्र में प्रवेश नहीं करेगा। अन्यथा की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम, 2024 के तहत कार्रवाई की जाएगी। उप प्रधान परीक्षकों एवं परीक्षकों को भी मोबाइल फोन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मूल्यांकन कक्ष में ले जाने पर रोक है।

प्रयागराज के आठ केंद्रों में होगा मूल्यांकन

यूपी बोर्ड परीक्षा की कॉपियों के मूल्यांकन के लिए प्रयागराज में आठ केंद्र बनाए गए हैं। इनमें राजकीय इंटर कॉलेज, कुलभास्कर आश्रम इंटर कॉलेज, केपी इंटर कॉलेज, एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज, केसर विद्या पीठ इंटर कॉलेज, जगत तारन इंटर कॉलेज, क्रॉस्थवेट इंटर कॉलेज, भारत स्काउट एंड गाइड इंटर कॉलेज शामिल हैं।

कंप्यूटर फर्मों में होगा ओएमआर शीट का मूल्यांकन

परीक्षाफल समय से तैयार किया जा सके, इसके लिए 20 अंकों की वस्तुनिष्ठ परीक्षा के लिए प्रयोग की गई ओएमआर शीट संबंधित कंप्यूटर फर्मों तक पहुंचाने का कार्य तीन चरणों में चार मार्च से ही शुरू करा दिया गया था, जो 18 मार्च को पूरा हो गया। एक तरफ केंद्रों में कॉपियों का मूल्यांकन होगा तो इसके साथ ही ओएमआर शीट का मूल्यांकन भी जारी रहेगा।

पद सृजित नहीं होने के आधार पर 30 साल बाद नहीं रोक सकते कर्मचारी का वेतन

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पद सृजित नहीं होने के आधार पर 30 साल बाद कर्मचारी का वेतन नहीं रोक सकते। यह टिप्पणी करते हुए न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की पीठ ने जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मऊ के उस आदेश को रद्द कर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पद सृजित नहीं होने के आधार पर 30 साल बाद कर्मचारी का वेतन नहीं रोक सकते। यह टिप्पणी करते हुए न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की पीठ ने जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मऊ के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें उन्होंने पद सृजित नहीं होने के आधार पर याची का वेतन रोक दिया था।

मऊ के अलीनगर में गैर–सरकारी सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक संस्थान मदरसा जामिया आलिया अरबिया अलीनगर में शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के 27 पद स्वीकृत थे। सभी को वेतन मिल रहा था। बाद में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने पर शिक्षकों के और पद स्वीकृत करने का अनुरोध किया गया। जांच के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, मऊ ने 14 पदों के सृजन की संस्तुति की।

निदेशक उर्दू उ.प्र. लखनऊ को आवश्यक कार्रवाई हेतु संस्तुति प्रेषित की गई। वहीं, याची 1988 से सहायक अध्यापक तहतानिया (प्राथमिक) के पद पर कार्यरत था। वर्ष 1995

से पदों की स्वीकृति के बाद उसे राजकीय कोष से वेतन मिलने लगा। वर्ष 2021 में सहायक अध्यापक फौकानिया (माध्यमिक) के पद पर याची को पदोन्नत कर दिया गया। पदोन्नति के कागजात जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, मऊ को भेजे गए। उन्होंने वित्तीय स्वीकृति के लिए कागजात को रजिस्ट्रारधनिरीक्षक, उ.प्र. मदरसा शिक्षा बोर्ड, लखनऊ को भेज दिया, लेकिन वित्तीय स्वीकृति के बाद भी उन्हें वेतन नहीं दिया गया।

हाईकोर्ट ने रद्द किया अधिकारी का आदेश

कहा गया कि राज्य सरकार की अनुमति के बिना निदेशक, उर्दू ने पद की स्वीकृति दी थी। ऐसे में याची की सहायक अध्यापक तहतानिया के पद पर पूर्व में की गई नियुक्ति स्वीकृत पद पर नहीं थी, इसलिए वेतन जारी करने के आदेश को वापस लिया जाता है। इस आदेश को याची ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि शासनादेश जारी कर उक्त पद की स्वीकृति दी गई थी। कार्यकाल के दौरान याची पर धोखाधड़ी या कदाचार का कोई आरोप नहीं है। 1995 से फरवरी 2024 तक राज्य के खजाने से याची को वेतन दिया गया। ऐसे में बिना किसी आरोप के पद से हटाना अवैध है। इस पर न्यायालय ने कहा कि याची पिछले करीब 30 वर्षों से कार्य कर रहा था। इस दौरान उसकी नियुक्ति को लेकर कोई विवाद नहीं था। अधिकारी संतुष्ट थे कि उसकी नियुक्ति स्वीकृत पद पर है। इस मामले में याची की कोई गलती नहीं है। ऐसे में उसे वेतन से वंचित नहीं किया जा सकता।

नया दौरः अब हथेली दिखाकर भी हो सकेगा भुगतान, पाम पेमेंट डिवाइस पर दीपांशु ने शुरू किया काम

प्रयागराज। बांदा के एक युवा ने ऐसी पाम पेमेंट डिवाइस पर काम शुरू किया है, जो हथेली दिखाते ही सेकेंडों में भुगतान कर देगी। इसके लिए बैंक कार्ड या मोबाइल फोन की जरूरत नहीं होगी। ऐसा हो सका तो भुगतान की लंबी कतारें बीते दिनों की बात हो जाएगी। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के स्टार्टअप समिट में पहुंचे बांदा निवासी दीपांशु मिश्रा इस डिवाइस पर जनवरी–24 से काम कर रहे हैं। यूनाइटेड इंजीनियरिंग कॉलेज से बीबीए के बाद वह स्कॉटलैंड के ग्लास्गो विश्वविद्यालय

से ग्लोबल बिजनेस में एमबीए कर चुके हैं। दीपांशु बताते हैं कि दुनिया के कई देशों में उन्नत तकनीक से भुगतान हो रहा है। जैसे, चीन में वी चौट से भुगतान हो रहा है तो उत्तरी अमेरिका में मशीन के पास फोन ले जाते ही पेमेंट हो जाता है। इसी तर्ज पर वह पाम पेमेंट सिस्टम पर काम कर रहे हैं। इसमें ग्राहक जैसे ही पाम (हथेली) को मशीन के पास ले जाएगा, वह पेमेंट ले लेगी। इससे पेमेंट की प्रक्रिया में तेजी आएगी। लोगों का समय भी बचेगा। इस पेमेंट सिस्टम की जरूरत और मांग को लेकर बाजार का अध्ययन कर चुके हैं। अब तकनीकी दिशा में आगे बढ़ते हुए ग्लास्गो विश्वविद्यालय समेत कई अन्य का सहयोग ले रहे हैं। इस पेमेंट सिस्टम को बनाने में कितना वक्त लग सकता है? दीपांशु कहते हैं, इस पर अभी कुछ भी स्पष्ट बता पाना कठिन है। पाम पेमेंट सिस्टम को साकार करने में चुनौतियां भी कम नहीं हैं। दीपांशु बताते हैं कि हथेली स्वैप करने को लेकर कई तरह की कानूनी बाधाओं को पार करना होगा। देश की विभिन्न नियामक संस्थाओं से इसकी अनुमति मिलना आसान नहीं है। इसके लिए हर पहलू को देखकर आगे बढ़ रहे हैं।

294 शिक्षकों को राजपत्रित पद पर प्रमोशन

प्रयागराज। प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में कार्यरत 294 सहायक अध्यापकों व प्रवक्ताओं को राजपत्रित अधीनस्थ सेवा के पद पर प्रोन्नत कर दिया गया है। अपर निदेशक (माध्यमिक) अजय कुमार द्विवेदी के अनुसार प्रोन्नत किए गए 69 प्रवक्ताओं व 225 सहायक अध्यापकों को मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से विकल्प प्राप्त करने के बाद पदस्थापित किया जाएगा। प्रमोशन लिस्ट पर किसी को आपधत्ति है तो उनके कार्यालय में 20 मार्च तक दर्ज कराई जा सकती है।

22 को भारती परिषद की पुस्तकों का लोकार्पण

प्रयागराज। भारती परिषद प्रयाग की ओर से 22 मार्च को परिषद के बहादुरगंज स्थित कार्यालय में पुस्तक लोकार्पण समारोह का आयोजन होगा। जिसमें परिषद की पुस्तक यश सिंधु व डॉ. शंभूनाथ त्रिपाठी अंशुल की सौष्ठव पूजन ग्रंथ का लोकार्पण किया जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती उपस्थित रहेंगे। परिषद के महामंत्री शीलधर मिश्र ने बताया कि इसके अलावा परिषद द्वारा प्रकाशित तीन अन्य पुस्तकों का लोकार्पण किया जाएगा। जिसमें प्रदेश के कई साहित्यकारों का लेख अलग–अलग विषयों पर प्रकाशित किया जा रहा है। समारोह दोपहर एक बजे से आयोजित होगा।

तीन सगी बहनें बनीं आरक्षी

प्रयागराज। तीन सगी बहनें यूपी पुलिस परिवार का हिस्सा बन गई हैं। सुपर क्लाइमेक्स एकेडमी की तीन सगी बहनें आरक्षी पद पर चयनित हुई हैं। एकेडमी के निदेशक ई. मारूफ अहमद को सफलता का श्रेय दिया है। संस्थान की टीम चयनित तीनों छात्राओं के घर महमदपुर अजोशी पहुंचकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आरएस जावेद, अरविंद मौजूद रहे। खुशबू और सोनाली चौहान ने बताया कि वे एक साथ तैयारी करती थीं।

बायो सीएनजी संयत्र ने विद्यालयों को भेंट किए कंप्यूटर

प्रयागराज। नैनी के अरैल स्थित बायो सीएनजी संयत्र की ओर से जिले के पांच प्राथमिक विद्यालयों को कंप्यूटर भेंट किया। यह कम्प्यूटर पांच चयनित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को जिला परियोजना कार्यालय मम्फोर्डगंज में बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी और कम्पनी के परियोजना प्रमुख हिमांशु श्रीवास्तव की ओर से दिया गया। जिन विद्यालयों को कम्प्यूटर प्रदान किया उनमें प्राथमिक विद्यालय नैनी बाजार, प्राथमिक विद्यालय अम्बेडकरनगर खरकौनी, प्राथमिक विद्यालय देवरख,कंपोजिट विद्यालय पीएसी और कंपोजिट विद्यालय अरैल शामिल है। इस मौके पर रमेश, राकेश राय व शिक्षक मौजूद रहे।

57 विद्यार्थियों को मिला टैबलेट

प्रयागराज। शम्भूनाथ आईटीआई में टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि शिवमूरत ने 57 प्रशिक्षणार्थियों को टैबलेट वितरित किया। प्रधानाचार्य केपी तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. धीरेन्द्र कुमार (अध्यक्ष उत्थान) ने कहा कि शिक्षा के बदलते परिवेश में परम्परागत शिक्षा से

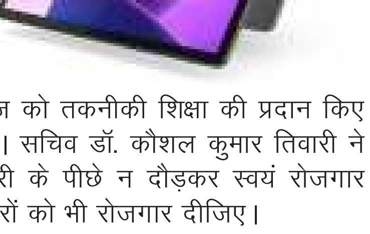

अलग हटकर अब समाज को तकनीकी शिक्षा की प्रदान किए जाने की आवश्यकता है। सचिव डॉ. कौशल कुमार तिवारी ने कहा कि सरकारी नौकरी के पीछे न दौड़कर स्वयं रोजगार उत्पन्न कीजिए और दूसरों को भी रोजगार दीजिए।

होली मिलन समारोह में जमकर लगे ठहाके

मंच पर पहुंचे कवि कलाकारों ने बांधा समां

करछना।क्षेत्र के भड़ेवरा गांव स्थित प्राचीन मसुरियन देवी मंदिर के समीप आयोजित भव्य होली मिलन समारोह में देररात तक गीत और कविताओं से जोरदार ठहाके लगते रहे।युवा समाजसेवी शिवम् मिश्रा छोटू के संयोजन में आयोजित होली मिलन के पूर्व क्षेत्रीय कलाकार कमला शंकर शुक्ल और साथी कलाकारों द्वारा सुंदरकांड़ पाठ संपन्न हुआ।इसके उपरांत होली मिलन मंच पर पहुंचे कवियों ने भी श्रोताओं को जीभर गुदगुदाते हुए जमकर ठहाके लगवाये।संजय पांडेय सरस द्वारा प्रस्तुत छंदों में ब्रज के होली की अनूठी झलक मिली तो वहीं कवि संतोष शुक्ल समर्थ ने होली का महत्व बताते हुए अपनी सामाजिक सरोकार से जुड़ी पंक्तियों में आपसी एकता और सौहार्द पर जोर दिया।समारोह के मुख्य आकर्षण रहे हास्य कवि अशोक बेसरम ने दरोगा भौजाई और अब तिलक,बरछा, धार–बराते होति बड़ी बेइमानी बा,जैसी रचनाओं पर जमकर ठहाके लगवाये।लोक

कलाकार कमलाशंकर ने मुड़वारी से कागा उड़ि भागा,मोरा सइयां अभागा न जागा जैसे फगुआ गीतों पर खूब तालियां बटोरी।वहीं बेलवरिया गीत बीते महाकुम्भ के वर्णनकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।इस दौरान कार्यक्रम में पहुंचे ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि करछना कमलेश द्विवेदी ने कहा कि इस तरह का होली मिलन गांव के लोगों को आपसी भेदभाव मिटाकर एकजुटता और समरसता के प्रति प्रेरित करता है।कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जुटे गांव के लोगों ने भंग,ठडई का भी जमकर लुफ्त उठाया।वरिष्ठ पत्रकार मनेश मिश्रा द्वारा कवियों,कलाकारों के साथ–साथ स्थानीय समाजसेवियों का मंच पर फूल मालाओं के साथ सम्मान किया गया।अंत में सभी ने मंच पर गुलाब की होली खेली।कार्यक्रम की अध्यक्षता चोलाराम ओझा,संचालन राम मनोहर लोहिया और आयोजक राकेश कुमार मिश्र ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।इस मौके पर त्रिवेणी प्रसाद पांडेय,विश्वनाथ प्रसाद शुक्ल,लक्ष्मीकांत पांडेय,अवध नारायण शुक्ल,सुरेश पांडेय,राम बहादुर ओझा,कालिका प्रसाद शुक्ल,शिवाकांत ओझा,राम बल्लभ ओझा,भूपेंद्र शर्मा,अनिल ओझा,आलोक ओझा,रिंकू मिश्र,लक्ष्मीकांत केसरवानी,हरिप्रसाद पांडेय,विमल शर्मा,सुनील केसरवानी, धर्मेंद्र शर्मा,रामबरन यादव,रामकरन यादव,राजमणि विश्वकर्मा,आदित्य नारायण मिश्र, अमरनाथविश्वकर्मा,मुनेश विश्वकर्मा,अमरनाथ शर्मा,घनश्याम गौड़,देवी प्रसाद मिश्र,तेज बहादुर गौड़,लालजी सोनकर,चौहान यादव,कान्हा सोनकर, रामचंद्र पांडेय, विनायक कोटार्य, बुद्धू कोटार्य, पन्नालाल पाल,पप्पू पाल,विपिन पाल, हरिश्चंद्र विश्वकर्मा,प्रभात विश्वकर्मा,विनय प्रताप सिंह समेत कई स्थानीय गणमान्य एवं बड़ी संख्या श्रोता दर्शक मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर डॉ भीमराव अंबेडकर पर की अभद्र टिप्पणी, दलित समाज में रोष, कार्रवाई की मांग

मोरना। सोशल मीडिया पर डॉ भीमराव अंबेडकर पर युवक द्वारा अभद्र टिप्पणी से दलित समाज में रोष फैल गया थाने पहुंचे दलित समाज के दर्जनों लोगों ने आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव चौरावाला निवासी एक युवक ने मंगलवार दोपहर अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर एडिट की

गई एक वीडियो प्रसारित कर दी। जिसमें बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का फोटो लगा हुआ है तथा किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग कर गंदी–गंदी गालियां दी गई हैं। घटना से नाराज दलित समाज के सर्वेश प्रधान, मास्टर संदीप, मास्टर ब्रिजेश, दीपक मिस्त्री, एडवोकेट सतपाल, मनोज, अमित, सनी, बिट्टू, शिवम आदि दर्जनों लोगों ने थाना ककरौली पहुंचकर आरोपी युवक की गिरफ्तारी की मांग की। उनका कहना है कि जहां एक ओर सभी धर्मों के लोग बाबा साहब का सम्मान करते हैं। वहीं ऐसी घटिया मानसिकता के लोग माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। आरोपी युवक को किसी भी दशा में बख्शना नहीं चाहिए। दलित समाज के लोगों ने थाना ककरौली में आरोपी युवक के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

बागेश्वर महाराज की कथा की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

25 मार्च से जाग्रति विहार में शुरू होगी हनुमंत कथा

मेरठ, (प्र)। आगामी 25 से जाग्रति विहार में होने वाली श्री सिद्ध पीठ बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर श्री धीरेंद्र शास्त्री जी की कथा की तैयारियों को लेकर आयोजकों की बैठक आयोजित की गई।

जिसमें बागेश्वर महाराज के श्रीमुख से होने वाली हनुमंत कथा की तैयारियो तथा कल होने वाले भूमि पूजन कार्यक्रम पर चर्चा हुई। बैठक में महापौर हरिकांत अहलूवालिया, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश अग्रवाल, एडको डवलपर्स के निदेशक वरूण अग्रवाल, पूर्व महानगर अध्यक्ष मुकेश सिंघल, कथा के मुख्य संयोजक नीरज मित्तल, अध्यक्ष संजय त्रिपाठी, सचिव गणेश अग्रवाल, जोनी मित्तल, राजेश खन्ना, बबीता खन्ना पार्षद, राजीव गुप्ता, रक्षित जिंदल, सनी चौधरी, अरूण अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, संजीव मित्तल, राजेश सिंघल, सुमित सिंघल, विपिन सिंघल, चिराग गुप्ता, रिशी त्यागी आदि मौजूद रहे।

पुलिस तो कर ही रही गोकशों का इलाज समाज से भी होना चाहिए गोकशों का बहिष्कार!

नई मंडी पुलिस क्षेत्राधिकारी रूपाली रॉय चौधरी ने घटनास्थल पर पहुंचकर अपने मातहतों का हौसला बढ़ाया वह घटना की बारीकी से जांच

नई मंडी थानाप्रभारी निरीक्षक दिनेश चन्द व उनकी टीम लगातार सराहनीय कार्यो को अंजाम देते हुए गोकश अपराधियों पर भी कस रही शिकंजा

मुजफ्फरनगर। डीआईजीध्एसएसपी अभिषेक सिंह की शानदार पुलिसिंग किसी से छुपी नही हैं उनकी निष्पक्षता, पारदर्शिता तथा ईमानदारी व बेबाकी के द्वारा काम करने का तरीका साशन स्तर पर खूब सराहा जाता है इसी लिए उनका नाम आदर भाव के साथ लिया जाता हैं और अपने अधीनस्थों में उन्होंने हमेशा जोश व मनोबल भरा हैं जिसका जीता जागता उदाहरण नई मंडी थानाप्रभारी निरीक्षक दिनेश चन्द के द्वारा लगातार सराहनीय कार्यो को अंजाम देना हैं।थाना मंडी पुलिस के द्वारा अपराधी किस्म के गिरोह हो या गोकश अपराधी जैसो की कमर तोड़ कर रखें हुए हैं।थाना नई मंडी प्रभारी दिनेश चन्द्र वे उ0नि0 संजय सिहं, उ0नि0राहुल कुमार,उ0नि0 अनिल कुमार तोमर,उ0नि0 शुभम चौहान,है0का0 सोनवीर,है0 का0 पुष्पेन्द्र मावी,है0 का0 सुशील कुमार,का0 कुलदीप कुमार,का0 मुनेश कुमार,

का0हिमांशु,का0 सुभाष सागर,का0 विपिन कुमार,का0 पंकज शर्मा,का0 अतुल कुमार,का0 लोकेन्द्र आदि ने पूरी लगन मेहनत और समर्पण के साथ काम करते हुए नजर आ रहे हैं और अपनी बेस्ट परफॉर्मेंस देकर बेहतर कार्य को अंजाम दे रहे हैं।थाना नई मंडी प्रभारी दिनेश चन्द व उनकी टीम ने एक मुठभेड़ के दौरान गोकश अपराधी को गोली का माकूल जवाब देते हुए उसके पैरों में गोली मारकर घायल किया है व कई गोकशों को गिरफ्तार भी किया हैं। थाना नई मंडी पुलिस टीम की पैनी

नजर का ही कमाल कहा जा सकता है कि हर अपराधी पर पैनी नजर रखते हुए उनको उनके अंजाम तक पहुंचा रहे हैं और आज भी शातिर गोकश अपराधी को जानकी बाजी लगाते हुए उसको आमने सामने की मुठभेड़ में घायल कर जेल भेजा हैं।डीआईजीध्वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह के द्वारा चलाये जा रहे घटनाओं के अनावरण एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं धरपकड अभियान के अनुक्रम में तथा पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नई मंडी व प्रभारी निरीक्षक थाना नई मंडी दिनेश चन्द के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 संजय सिहं, उ0नि0राहुल कुमार,उ0नि0 अनिल कुमार तोमर,उ0नि0 शुभम चौहान,है0का0 सोनवीर,है0 का0 पुष्पेन्द्र मावी,है0 का0 सुशील कुमार,का0 कुलदीप कुमार,का0 मुनेश कुमार,

का0हिमांशु,का0 सुभाष सागर,का0 विपिन कुमार,का0 पंकज शर्मा,का0 अतुल कुमार,का0 लोकेन्द्र आदि ने जानकी बाजी लगाते हुए पुलिस मुठभेढ में एक अभियुक्त शाहरुख पुत्र नवाब निवासी कलसयानपुर थाना गागलहेडी जनपद सहारनपुर हाल पता कलयर सरीफ हरिद्वार (दौराने पुलिस मुठभेढ घायल) करते हुए उसके साथी सलमान पुत्र नवाब निवासी उपरोक्त व बाबू पुत्र जुल्फी निवासी कलसयानपुर थाना गागलहेडी जनपद सहारनपुर हाल पता बरारा अम्बाला हरियाणा व 4. एक नफर बाल अपचारी को कूकडी रोड ग्राउण्ड के पास से गिरफ्तार किया है। जबकि उक्त घटना से सम्बन्धित 03 नफर अभियुक्त चाँद पुत्र अलीहसन निवासी कम्हरेडा व काला पुत्र सलीम व इब्राहिम मौके का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे।गिरफ्तार घायल अभियुक्तगणों के कब्जे से एक अदद तमंचा 315 बोर मय 01 जिन्दा कार० व 01 खोका कार० व, एक गाडी पिकअप बिना नम्बर मय 02 रास गाय मय 02 छुराध्चाकू मय एक लकडी का गुटका, 01 रस्सी, 02 प्लास्टिक के कट्टे, 01 पन्नी बरामद किये हैं। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही नई मंडी पुलिस क्षेत्राधिकार रूपाली रॉय चौधरी ने घटनास्थल पर पहुंचकर अपने मातहतों का हौसला बढ़ाया वह घटना की बारीकी से जांच भी की।

लगभग 400 करोड़ रुपये से होगा नगर का चहुंमुखी विकास : राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, जिलाधिकारी उमेश मिश्रा सहित प्रशासनिक अमले के साथ नगर का भ्रमण कर चहुंमुखी विकास का खाका खींचा

मुजफ्फरनगर। नगर विधायक और प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग और उद्यमशीलता विभाग कपिल देव अग्रवाल ने जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, उपाध्यक्ष विकास प्राधिकरण कविता मीणा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण एके राणा, एसपी ट्रैफिक, विद्युत विभाग, जल निगम व अन्य प्रमुख अधिकारियों को साथ लेकर मौके पर ही समस्याओं से अवगत कराया।

शहर के विकास को पंख लगाने के लिए मंत्री कपिल देव अग्रवाल की अध्यक्षता में मेरठ रोड स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पर जिलाधिकारी उमेश मिश्रा सहित जिले के अन्य अधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें नगर के विकास की प्रस्तावित कार्ययोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण एवं आगामी विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार करने के लिए नगर का भ्रमण किया गया।

सर्वप्रथम खालापार से होते हुए प्रेमपुरी पुलिस चौकी तक, आबकारी रोड, शामली रोड, हनुमान चौक से नावल्टी चौक तक, अहिल्याबाई मार्ग, अस्पताल चौराहा, रामलीला टिल्ला क्षेत्र के नाले की जल निकासी, रामलीला टिला का सौंदर्यीकरण, काली नदी की सफाई, अंसारी रोड का चौडीकरण, विश्वकर्मा चौक से जानसठ रोड मार्ग का चौडीकरण, शिव मूर्ति, झांसी का रानी, महावीर चौक का सौंदर्यीकरण, जानसठ रोड व भोपा रोड की सफाई, दोनों ओर डिवाईडर, कंपनी बाग में मल्टीपरपज हॉल, स्ट्रीट वेंडर्स को स्थान आबंटन, खण्डित पीस लाईब्रेरी में पार्किंग एवं पुनर्निर्माण, ई–रिक्शाओं का सही प्रकार से संचालन आदि के संबंध में स्थलीय निरीक्षण किया गया। मंत्री कपिल देव ने कहा कि नगर पालिका के सीमा विस्तार के बाद नए जुड़े क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया जाएगा।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने जिलाधिकारी उमेश मिश्रा तथा सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभागों में आपसी समन्वय स्थापित हो और ऐसी कार्ययोजना बनाएं कि किसी कार्य की पुनरावृत्ति न हो और उसमें लगने वाले समय की बचत हो सके। उन्होंने कहा कि आईजीएल, जल निगम और नगर पालिका को विशेष निर्देश दिए जाएं कि सडक बनाने से पूर्व ही गैस और पानी की पाईपलाईन डाली जाएं। बाद में सडक उखाडकर जनता को परेशान न करें। इसके साथ ही, माननीय मंत्री श्री कपिल देव जी ने कहा कि सडक व अन्य निर्माण कार्यों के उद्घाटन पत्थर पर निर्माण की तिथि अवश्य अंकित होनी चाहिए ताकि उनका अनुरक्षण ससमय कराया जा सके।

शामली के बाजारों में दिल्ली और जयपुर की तर्ज पर नगर पालिका ने लगाई लाईटे

शामली। नगर पालिका द्वारा शहर के प्रमुख बाजारों में दिल्ली और जयपुर की तर्ज पर लाईटिंग और सौंदर्यकरण की योजना को लागू किया गया है। इस पहल का उद्देश्य शामली के बाजारों को और अधिक आकर्षक और व्यवस्थित बनाना है, जिससे न केवल शहर की सुंदरता बढ़ेगी, बल्कि व्यापारियों को भी इसका लाभ होगा। नगर पालिका की यह योजना शामली के बाजारों को एक नया रूप देने के लिए बनाई गई है। सौंदर्यकरण के तहत विभिन्न चौकों और प्रमुख सड़कों पर आकर्षक लाईटिंग और सजावट की जाएगी, जिससे बाजारों में रौनक आयेगी और शहर का दृश्य रात के समय और भी खूबसूरत लगेगा। इस कदम से शहर का विकास और व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि होने की उम्मीद है। देर रात्रि शहर के बडा बाजार चौक पर चेयरमैन अरविन्द संगल ने लाईटिंग का शुभारंभ किया। बड़ा बाजार चौक में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका के चेयरमैन अरविन्द संगल ने लाईटिंग के इस प्रोजेक्ट का

शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह योजना शामली को एक नई पहचान देगी और व्यापारियों के लिए भी एक सकारात्मक बदलाव साबित होगी। चेयरमैन ने आगे कहा कि इस योजना से शहर की न केवल सुंदरता बढ़ेगी, बल्कि पर्यटकों और शॉपिंग के लिए आने वालों को भी एक बेहतर अनुभव मिलेगा। इस परियोजना के सफल होने के बाद नगर पालिका अगले चरण में अन्य प्रमुख क्षेत्रों और गलियों में भी लाईटिंग और सौंदर्यकरण की योजना को लागू करने पर विचार करेगी।

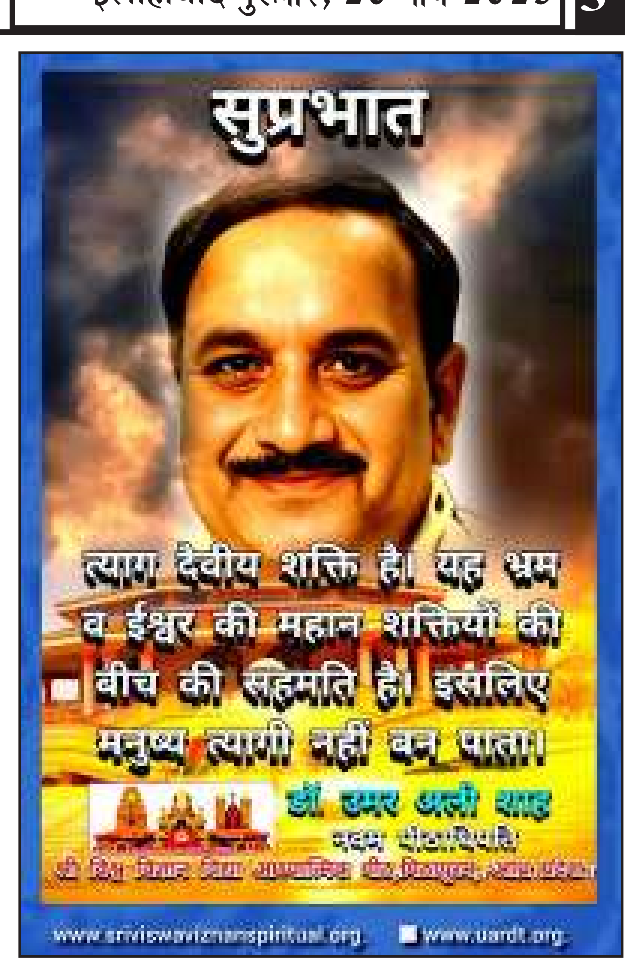

मिट्स ग्रुप की शिल्पा चंदेल ने मिट्स फार्मा में मनाया जन्मदिन

मुजफ्फरनगर। मिट्स ग्रुप की सी ई ओ शिल्पा चंदेल ने धूमधाम से अपना जन्मदिन मिट्स फार्मा में मनाया। इस खास मौके पर मिट्स फार्मा के कर्मचारी और ग्रुप के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। जन्मदिन समारोह में केक कटिंग के साथ–साथ कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए,

जिसमें कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने शिल्पा चंदेल को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिल्पा चंदेल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मिट्स फार्मा परिवार का साथ उनके लिए बेहद खास है और उन्होंने टीम के समर्थन और मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से आपसी संबंध और मजबूत होते हैं। समारोह के अंत में सभी को मिठाइयाँ और उपहार वितरित किए गए। इस खास मौके ने कर्मचारियों के बीच सकारात्मक माहौल और एकजुटता को और मजबूत किया।

एसडीएम जानसठ ने फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरता से सुनकर उनका त्वरित निस्तारण किया

जानसठ। एसडीएम जानसठ जयेन्द्र सिंह द्वारा तहसील परिसर अपने कार्यालय में क्षेत्र से आए फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक सुना और शिकायतकर्ताओं को निस्तारण हेतु आश्वस्त किया और निस्तारण कराने के अधीनस्थो को निर्देशित

किया गया। बुधवार को जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के निर्देश पर एसडीएम जानसठ जयेंद्र सिंह द्वारा अपने कार्यालय में बैठकर क्षेत्र से आए शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक सुनकर निस्तारण कराया और कुछ शिकायतों को अपने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किरते हुए कहा कि क्षेत्र से आए शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से मौके पर जाकर निस्तारण करने के लिए आदेशित किया गया उन्होंने कहा कि कार्यालय मे आये सभी शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को दोनों पक्षों के बीच सुनकर निष्पक्ष रूप से निस्तारण कराया जाए किसी भी आगुन्तको को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। समस्या का अपने स्तर पर निस्तारण करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए इस दौरान तहसीलदार सतीश चंद बघेल व नायब तहसीलदार विपिन मौजूद रहे।

बैंक के लिए अमीर और गरीब एक समान: दविंदर पॉल ग्रोवर

कुंडा। कस्बा के कबरियागंज स्थित बड़ौदा यूपी बैंक के नये शाखा भवन का उद्घाटन बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच बैंक के चेयरमैन दविंदर पॉल ग्रोवर व क्षेत्रीय प्रबंधक आर एल बुनकर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। चेयरमैन ने बैंक भवन के उद्घाटन में सबसे पहले मुख्य द्वार पर फीता काटा। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन अर्चन व शिलापट का अनावरण किया। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों और व्यापारियों को सम्बोधित करते हुए चेयरमैन ने कहा कि नये शाखा भवन में बैंक होने से लोगों को बैंक की बेहतर सुविधाएं दी जाएंगी। बैंक के लिए अमीर और गरीब एक समान है और सब के लिए बैंक की सुविधाएं और योजनाएं बराबर है। उन्होंने कहाकि बैंक की बेहतर सुविधाएं और अधिक दे सकें। इसके लिए आप सभी का सहयोग अपेक्षित है। कहाकि पुराने शाखा भवन में ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए काफी दिक्कतें आती थी, उन्होंने व्यापारियों और किसानों से बैंक से जुड़ी योजनाओं और उसके गुणवत्ता व कार्यप्रणाली और बैंक के जुड़े सभी प्रकार के समस्याओं का समाधान का भरोसा दिलाया।

सम्पादकीय........

ताकि सेफ रहे सेब

दुनिया को नये टैरिफ युद्ध में धकेलने वाले ट्रंप प्रशासन के दबाव की आंच हिमाचल के सेब उत्पादकों तक भी पहुंच रही है। भारत पर सेब आदि उत्पादों पर अमेरिकी टैरिफ घटाने के दबाव ने हिमाचल के सेब उत्पादकों के माथे पर चिंता की लकीरें उकेर दी हैं। वे केंद्र सरकार से गुहार लगा रहे हैं कि किसी भी कीमत पर अमेरिकी सेब पर टैरिफ कम न किया जाए, अन्यथा लाखों उत्पादकों की रोजी–रोटी खतरे में पड़ जाएगी। वे तब से फिक्रमंद हैं जब वर्ष 2023 में आयात शुल्क सत्तर फीसदी से घटाकर पचास फीसदी कर दिया गया था। उनको फिक्र है कि यदि फिर टैरिफ में कमी की गई तो भारतीय बाजार अमेरिका के उच्च गुणवत्ता वाले सस्ते सेब से पट जाएगा। जिससे घरेलू सेब उत्पादकों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। आंकड़े इस गंभीर स्थिति को बयां करते हैं कि वर्ष 2018 में जब टैरिफ बढ़ाए गए तो वर्ष 2022–23 तक अमेरिकी सेब का आयात 1.28 लाख मीट्रिक टन से घटकर सिर्फ 4,486 मीट्रिक टन रह गया था। मौद्रिक संदर्भ में देखें तो यह 145 मिलियन डॉलर से घटकर मात्र 5.27 मिलियन डॉलर रह गया था। सेब उत्पादक इस बात को लेकर चिंतित है कि जब वर्ष 2023 में टैरिफ को फिर से वापस पचास फीसदी पर लाया गया तो आयात में करीब 20 गुना वृद्धि हो गई थी। ऐसे में यदि किसी भी तरह की कमी फिर आयात शुल्क में की जाएगी तो भारतीय बाजार वाशिंगटन सेब से पट जाएंगे। फिर भारतीय प्रीमियम सेब से बहुत कम कीमत पर मिलने के कारण गुणवत्ता का विदेशी सेब उपभोक्ताओं की प्राथमिकता बन जाएगा। खासकर संपन्न तबके की पहली पसंद बन जाएगा। इस चिंता ने घरेलू सेब उत्पादकों की नींद उड़ा दी है। उन्हें डर कि पौष्टिकता व रस की गुणवत्ता में भारतीय सामान्य सेब अमेरिकी सेब का मुकाबला नहीं कर पायेगा। लोगो में आम धारणा रहती है कि विदेशी सेब ज्यादा अच्छा होगा। बहरहाल, अमेरिकी सेब पर टैरिफ घटाने की आशंका से सात लाख सेब उत्पादकों की आजीविका पर खतरा मंडराने लगा है। इसकी वजह यह भी कि अमेरिकी व्यापार वार्ता में कृषि टैरिफ घटाना मुख्य मुद्दा है। हालांकि, भारत जो उच्च आयात शुल्क लगाता है वह सोयाबीन पर 45 फीसदी, मक्का पर 50 फीसदी और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर 150 फीसदी है। अमेरिकी मांग है कि उसके कृषि निर्यात के लिये अवरोध कम किए जाएं। लेकिन निर्विवाद रूप से व्यापार एकतरफा नहीं हो सकता। अगर भारत को रियायतें देनी ही हैं तो उसे अपने उत्पादों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के लिये पारस्परिक बाजारों में पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारतीय सेब उत्पादक पहले ही सस्ते ईरानी आयातों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं। ईरानी सेब भारतीय बाजार में पचास–साठ रुपये कम कीमत पर उपलब्ध है, जिसकी वजह से गैर–प्रीमियम गुणवत्ता वाले सेबों का लाभकारी मूल्य मिलना बेहद मुश्किल है। स्थानीय सेब उस दर पर आयातित सेबों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते, क्योंकि राज्य में उत्पादन व परिवहन लागत ज्यादा है। यह बात जगजाहिर है कि हिमालय के पहाड़ी इलाकों के कारण उच्च उत्पादन लागत से किसान जूझ रहे हैं। जिसमें मशीनीकरण असंभव हो जाता है। इसके विपरीत, अमेरिकी सेब उत्पादक अत्यधिक मशीनीकृत खेती और बड़े पैमाने पर सब्सिडी से लाभान्वित होते हैं। यही असंतुलन भारत में सेब उद्योग को अनियमित आयातों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बनाता है। भारतीय उत्पादकों के लिये सुरक्षात्मक उपाय किए बिना किसी भी तरह की टैरिफ कटौती पहले से ही संकट में पड़े फल उद्योग को पंगु बना देगी। वहीं दूसरी ओर 'वोकल फॉर लोकल' को एक नारे से अधिक व्यवहार में लाना है तो भारत को आंख मूंदकर आयात शुल्क कम करने का प्रयास नहीं करना चाहिए। अपने उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिये उसे अमेरिकी दबाव का प्रतिरोध करना चाहिए। भारतीय हितों को सामने रखकर ही बातचीत को आगे बढ़ाना चाहिए। साथ ही निर्यात के अवसरों का विस्तार करते हुए कमजोर क्षेत्रों के संरक्षण की भी पहल करनी चाहिए। जिसकी मांग हिमाचल के सेब उत्पादक भी कर रहे हैं। यह चुनौती गुणवत्तापूर्ण फल उत्पादन के लिये भी रहेगी।

वक्फ बोर्ड: मुस्लिमों की सुने सरकार!

डॉ. दीपक पाचपोर

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने एक बड़ा प्रदर्शन कर सरकार को चेतावनी दी है कि यदि वक्फ कानून संशोधन विधेयक (2024) वापस नहीं लिया गया तो इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन होगा।

भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार द्वारा वक्फ संशोधन कानून के जरिये जैसे बदलाव प्रस्तावित हैं, उनके खिलाफ देश भर के मुस्लिमों में नाराजगी है। इसकी बानगी सोमवार को दिल्ली के जंतर–मंतर पर दिखी। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने एक बड़ा प्रदर्शन कर सरकार को चेतावनी दी है कि यदि वक्फ कानून संशोधन विधेयक (2024) वापस नहीं लिया गया तो इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन होगा। बोर्ड के अतिरिक्त जमाते इस्लामी व जमीयत उलेमा–ए–हिन्द जैसे कई और संगठन शामिल हुए जो कि देश के अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। पहले से ही सरकार इस बात से वाकिफ है कि मुस्लिम संगठनों की इससे नाराजगी है। बेहतर होगा कि सरकार इस कानून को लाने का विचार ही त्याग दे। वैसे भी जब संशोधन कानून लाया गया तभी संसद के अलावा देश भर के मुस्लिमों तथा उन तमाम नाराज हैं जो नागरिकों की धार्मिक आजादी के पक्षधर हैं। हालांकि इस प्रदर्शन को लेकर केन्द्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने अपनी सरकार के चिर–परिचित अंदाज में कांग्रेस तथा विपक्ष पर दोष मढ़ दिया और कहा कि वह इस कानून को लेकर देश भर में झूठ फैला रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कानून मुस्लिमों के हित में है। एक तरह से देश भर के वक्फों से उनकी जमीनें छीन लेने की साफ मंशा सरकार की दिखाई देती है। अब तक मस्जिदों को संचालित करने एवं उनका प्रबंधन करने वाले बोर्ड के काम–काज में संशोधित कानून के जरिये सरकार की न केवल दखलंदाजी बढ़ेगी बल्कि सभी स्थानों पर देश के प्रमुख दो सम्प्रदायों– हिन्दुओं व मुस्लिमों के बीच दूरी भी बढ़ेगी। बोर्ड पर सरकार या स्थानीय प्रशासन का नियंत्रण होने से मस्जिदों का रखरखाव भी कठिन हो जायेगा। याद हो कि 2024 में सरकार संसद में वक्फ संशोधन अधिनियम लेकर आई थी जिसका दोनों सदनों में तीव्र विरोध हुआ था। विपक्ष की मांग के आगे झुकते हुए इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया था लेकिन उसमें सत्तारुढ़ भाजपा का बहुमत होने के कारण इसमें वे सारे संशोधन शामिल करने की सिफारिशें की गयीं जो कि सरकार या यूं कहें कि भाजपा चाहती है। लोगों में एक आम धारणा यह फैलाई गई है कि वक्फ के पास अकूत जमीनें हैं जिनके बल पर मुस्लिमों की राजनीति होती है। सच तो यह है कि वक्फ की जमीनों एवं अन्य परिसम्पत्तियों से ही मस्जिदों का खर्च निकलता है। आम धारणा यह भी है, जो कि सुनियोजित तरीके से फैलायी गयी है कि मस्जिदों में देश विरोधी तथा हिन्दू विरोधी कार्यक्रम चलाये जाते हैं। दरअसल यह भी भाजपा द्वारा ध्रुवीकरण का एक टूल है जो उसे हिन्दुओं के वोट दिलाने में मददगार साबित होता है। नये कानून के जरिये एक तरह से पूरा नियंत्रण सरकार के हाथों में चले जाने से मुस्लिमों को उनके धार्मिक कार्यक्रमों को सम्पन्न करने में न केवल कठिनाई आयेगी वरन दैनंदिन के कामों के लिये भी जिला प्रशासन पर निर्भर होना पड़ेगा। यह एक तरह से एक समुदाय की धार्मिक आजादी में हस्तक्षेप होगा। इन कारणों से यदि मुस्लिम समुदाय प्रस्तावित कानून से नाराज है तो वह स्वाभाविक ही है। जंतर–मंतर पर प्रदर्शन उसी नाराजगी के कारण होने वाला प्रदर्शन कहा जा सकता है जिसमें शामिल होने के लिये आयोजकों ने न केवल जेपीसी के सदस्यों को आमंत्रित किया बल्कि भाजपा के नेतृत्व में बने नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस के सदस्यों से भी ऐसा ही आग्रह किया है। इस कानून के विरोध पर रिजिजू का कहना वैसा ही है जैसा कृषि कानून पर सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित विभिन्न मंत्री कहते आये थे, कि यह कानून किसानों के हित में है। यह समझ से परे है कि भाजपा सरकार जो भी कानून लाती है वह किसी न किसी के हित में होने का दावा करती है, लेकिन सिर्फ उन्हें पता नहीं होता जिसका हित सरकार करना चाहती है। नोटबन्दी जनता के हित में थी पर जनता की समझ में नहीं आई, जीएसटी व्यवसायियों के हित में थी पर व्यवसायियों की समझ में नहीं आई और उन्होंने विरोध किया, कृषि कानून किसानों के हित में था पर किसानों की समझ में नहीं आया और उन्होंने विरोध किया, संविधान की अनुच्छेद 370 का विलोपन जम्मू–कश्मीर के हित में था परन्तु वह वहां के नागरिकों की समझ में नहीं आया और उन्होंने विरोध किया, तीन तलाक की समाप्ति मुस्लिमों के हित में थी पर उन्हें समझ में नहीं आई और उन्होंने विरोध किया तथा इलेक्टोरल बॉन्ड्स कानून मतदाताओं के हित में था पर मतदाताओं की समझ में नहीं आया और उन्होंने विरोध किया। सरकार का कोई भी कानून किसी की समझ में न आने तथा उनका विरोध होने का कारण यह है कि सरकार न तो इस पर सम्बन्धित पक्षों से बात करती है और न ही संसद में इस पर चर्चा करती है। विशेषज्ञों की तो दूर, सम्बन्धित मंत्रियों से तक विचार–विमर्श किये बिना कानून लागू हो जाते हैं। उपरोक्त सभी कानून ऐसे ही आये। असली बात यह है कि भाजपा सरकार के सारे काम सिर्फ और सिर्फ एक ही उद्देश्य के इर्द–गिर्द घूमते हैं– वह है हिन्दू वोटों का ध्रुवीकरण। प्रस्तावित वक्फ संशोधन कानून का मकसद भी यही लगता है। एक बार यह कानून लागू हो जाने के बाद साफ है कि देश के हर छोटे–बड़े शहर–कस्बे में वक्फ की जमीनों पर कब्जे के लिये संघर्ष की जमीन तैयार हो जायेगी। वक्फ की जमीनों पर सत्ता से जुड़े लोगों की नजरें पहले से हैं। इसलिये संशोधन कानून का विरोध लाजिमी है।

छुड़ाए नहीं छूटेगा गुजरात के दंगों का दाग

राजेंद्र शर्मा

गुजरात के 2002 के दंगों के तेईस साल हो चुके हैं। फिर भी हैरानी की बात नहीं है कि इस प्रकरण का जिक्र आना भर, प्रधानमंत्री के बौखला उठने के लिए काफी होता है। इसका ताजातरीन उदाहरण, अमरीकी वैज्ञानिक तथा पॉडकास्टर, लैक्स फ्रीडमैन के साथ प्रधानमंत्री मोदी के तीन घंटे लंबे पॉडकास्ट में सामने आया है। कहने की जरूरत नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह पॉडकास्ट, उनकी छवि निर्मित करने के अविराम जारी रहने वाले उद्यम के हिस्से के तौर पर और खासतौर पर उन अनेक मामलों में, जिनमें प्रधानमंत्री मोदी की छवि बहुत शानदार नजर नहीं आती है, उनकी छवि को रंग–रोगन लगाकर चमकाने के सुविचारित तथा सुसंबद्घ प्रयास का ही हिस्सा है। इस सबसे जुड़ी निश्चिंतता के बावजूद, गुजरात के दंगों का जिक्र आते ही, प्रधानमंत्री मोदी अपना संतुलन ही खो बैठे लगते हैं। न्यायपालिका द्वारा खुद को क्लीन चिट दिए जाने का अपना बार–बार का दावा दुहराने से भी नरेंद्र मोदी को संतोष नहीं हुआ और उन्होंने झूठी गाथा गढ़नी शुरू कर दी कि किस तरह, केंद्र में सत्ता में बैठे उनके राजनीतिक विरोधियों ने उन्हें दंगों के सिलसिले में आरोपों में फंसाने की और सजा दिलवाने की विफल कोशिश की थी। श्उस समय हमारे राजनीतिक विरोधी सत्ता में थे और स्वाभाविक रूप वे चाहते थे कि हमारे खिलाफ सभी आरोप चिपक जाएं। वे हमें सजा दिलाना चाहते थे। उनकी अनवरत कोशिशों के बावजूद, न्यायपालिका ने मेहनत से हालात का दो बार विश्लेषण किया और अंततरू हमें पूरी तरह से निर्दोष पाया।श अपने साथ अन्याय की इस मोदी की गढ़ी हुई गाथा में सबसे बड़ा झूठ तो यही है कि 2002 की फरवरी के आखिर से गोधरा रेल अग्निकांड के बाद, गुजरात के अनेक हिस्सों में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के समय ही नहीं, उसके करीब दो साल बाद तक सिर्फ गुजरात में ही नहीं, देश के पैमाने पर भी नरेंद्र मोदी के विरोधियों की नहीं, उनकी अपनी पार्टी की ही सरकार थी। हां! अटलबिहारी वाजपेयी की सरकार को भी मोदी अपने राजनीतिक विरोधियों की सरकार कह रहे हों, तो बात दूसरी है! कहने की जरूरत नहीं है कि वाजपेयी सरकार ने कम से कम नरेंद्र मोदी को फंसाने और सजा दिलाने की कोई कोशिश नहीं की थी। अगर किसी भी स्तर पर सरकार नरेंद्र मोदी को सजा दिलाने की कोशिश कर रही होती, तो तब के गुजरात के मुख्यमंत्री को, दंगों की पृष्ठभूमि में गुजरात के दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री वाजपेयी के श्राजधर्म का पालन करेंश का सार्वजनिक रूप से संदेश देने पर, श्वही तो कर रहे हैंश के उल्टे जवाब पर ही नहीं छोड़ दिया गया होता। नरेंद्र मोदी ने यहां, पार्टी में अपने विरोधियों को, आम तौर पर अपने विरोधियों के साथ मिला दिया लगता है। यह तो अब किसी से छुपा हुआ नहीं है कि गुजरात के दंगे के बाद, गोवा में हुई भाजपा की कार्यकारिणी की बैठक के मौके पर, अटल बिहारी वाजपेयी के अनुमोदन से भाजपा नेताओं के एक हिस्से ने, नरेंद्र मोदी को गुजरात के दंगों को संभालने में उनकी विफलताओं के लिए, मुख्यमंत्री पद से हटवाने की कोशिश की थी। इसे तब तक भाजपा में नंबर दो माने जाने वाले लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में, भाजपा कार्यकारिणी के बड़े हिस्से ने विफल कर दिया। बाद में भाजपा के कुछ अंदरूनी जानकारों ने तो इसे श्वाजपेयी के खिलाफ बगावतश तक करार दिया था। इसी बगावत के बल पर नरेंद्र मोदी श्सजाश के तौर पर मुख्यमंत्री की कुर्सी गंवाते–गंवाते बचे थे। अगर यह किसी तरह से सजा होती तो उनकी अपनी पार्टी की अंदरूनी सजा होती, जिसका विरोधियों की फंसाने की किसी तरह की कोशिशों से कोई लेना–देना नहीं था। बेशक, नरेंद्र मोदी के विरोधी कोई समूचे परिदृश्य से गायब ही नहीं थे। विपक्षी, जैसी कि उनकी जिम्मेदारी थी, इन भयंकर दंगों के संदर्भ में मोदी सरकार की विफलताओं और उसके चलते जान–माल के भयावह नुकसान के खिलाफ लगातार और जोरदार तरीके से आवाज उठा रहे थे। और विपक्षी, जिसमें मुख्यधारा के मीडिया का बड़ा हिस्सा भी शामिल था, खासतौर पर इस भयावह सच्चाई के खिलाफ आवाज उठा रहे थे कि सत्ताधारी संघ–भाजपा की संगठित संलिप्तता और पुलिस व प्रशासन के खुल्लमखुल्ला संरक्षण ने, इन दंगों को सांप्रदायिक दंगा नहीं रहने दिया था बल्कि मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगभग इकतरफा हमला ही बना दिया था। हैरानी की बात नहीं है कि इस लंबे पॉडकास्ट में गुजरात के दंगों के सिलसिले में अपना काफी विस्तार से बचाव पेश करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने, गुजरात के इस दंगे को एक मुस्लिमविरोधी नरसंहार ही बना देने वाली इस विशिष्टता और वास्तव में अपनी खास विरासत की ओर से, ध्यान बंटाने की ही पूरी कोशिश की है। मोदी ने इस दंगे की भयावहता को कम करने की कोशिश में, इसका विस्तार से बयान किया है कि किस तरह गुजरात में इससे पहले भी दंगे होते आए थे, बराबर कहीं न कहीं कर्फ्यू लगता रहता था, गुजरात में तो बार–बार और श्पतंगबाजी के मुकाबले से लेकर साइकिलों के भिड़ने तक, मामूली बातों पर भी दंगे होते आए थे, कि 1969 का दंगा तो पूरे छरू महीने से भी ज्यादा चला थाश आदि, आदि। फिर भी नरेंद्र मोदी इस सच्चाई को छुपा नहीं सके हैं कि गुजरात में सांप्रदायिक दंगे तो पहले भी होते आए थे और दंगे नियोजित होने तथा शासन पर पक्षपात के आरोप भी लगते आए थे, लेकिन यह पहली बार था जब एक पूरे राज्य के पैमाने पर संगठित तरीके से और शासन के संरक्षण के साथ, इस तरह कमोबेश इकतरफा हिंसा हुई थी। मोदी के राज में हुए इस दंगे के इसी चरित्र की अभिव्यक्ति इन दंगों के दौरान जगह–जगह पर शहिंदू राष्ट्र में स्वागत हैश के बोर्ड लगाए जाने में हो रही थी। इसी के पूरक के तौर पर मुख्यमंत्री के कुर्सी पर बैठकर नरेंद्र मोदी खुद, मुसीबत के मारे मुस्लिम दंगा पीड़ितों की कोई भी मदद करने से साफ इंकार करते हुए, उनके शिविरों को बच्चा पैदा करने की फैक्टरियांश करार दे रहे थे। और अहमदाबाद में सूफी शायर वली गुजराती का मजार ध्वस्त करने के बाद, नगरपालिका द्वारा उस जगह पर सड़क बनवायी जा रही थी। यह भी हैरानी की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी गोधरा की ट्रेन आगजनी की घटना, आग में इतने सारे लोगों के जल कर मारे जाने का, अकल्पनीय पैमाने की त्रासदी कहकर जिक्र ही नहीं करते हैं, फौरन इसे कांधार विमान अपहरण, लाल किले पर हमले, संसद पर हमले और यहां तक कि अमेरिका के 11 सितंबर समेत, तमाम आतंकवादी घटनाओं से जोड़ देते हैं, जबकि इन 23 वर्षों में इसमें किसी आतंकवादी कोण के कोई साक्ष्य तो निकल कर आए नहीं हैं। फिर भी ट्रेन आगजनी को आतंकवादी घटनाओं के क्रम में रखकर मोदी कहते हैं, श्आप कल्पना कर सकते हैं कि स्थिति कितनी तनावपूर्ण तथा उत्तेजनापूर्ण थी।श और इसके फौरन बाद, इसके बाद हुई भयावह हिंसा से सिर्फ इतना कहकर हाथ झाड़ लेते हैं कि, श्कुछ भी नहीं होना चाहिए, हम भी यही कामना करते हैं। सभी शांति की ही कामना करेंगे।श कुछ इसी प्रकार के शब्दों में प्रधानमंत्री मोदी ने पहले भी एक बातचीत में 2002 की गुजरात की घटनाओं पर यह कहते हुए दुरूख जताया था कि, श्दुरूख तो गाड़ी के नीचे कुत्ते का पिल्ला दब जाता है, तब भी होता है! लेकिन, प्रधानमंत्री मोदी इतने पर ही नहीं रुक गए। इसके फौरन बाद इशारों में उन्होंने 2002 के अल्पसंख्यक–विरोधी नरसंहार को, अपने राज की एक उल्लेखनीय उपलब्धि भी बता दिया। कैसे? 2002 के बाद से गुजरात में कोई दंगा जो नहीं हुआ है! (देश के गृहमंत्री, अमित शाह ने भी पिछले आम चुनाव की पूर्व–संध्या में ठीक यही दावा किया था।) गुजरे 22 वर्षों में गुजरात में एक भी बड़ा दंगा नहीं हुआ है...गुजरात पूरी तरह से शांतिपूर्ण बना हुआ है। एक बड़ा मुस्लिमविरोधी नरसंहार और दंगों से हमेशा के लिए गुजरात जैसे दंगा–प्रभावित राज्य की भी छुट्टी!

औरंगजेब, छावा और इकतरफा इतिहास

राम पुनियानी

इतिहास का इस्तेमाल राजनीति में करने से साम्प्रायिक नफरत बढ़ रही है और पिछले कुछ सालों में इसमें कई नए मुद्दे जोड़ दिए गए हैं। आरएसएस की शाखाओं, सोशल मीडिया, भाजपा के आईटी सेल, मुख्यधारा का मीडिया, विशेषकर कई टीवी चौनलों के जरिए, अपने प्रोपेगेंडा को आगे बढ़ाने और ब्रेनवाश करने के अलावा अब फिल्मों के माध्यम से भी समाज में व्याप्त गलतफहमियों को गहरा करने का प्रयास किया जा रहा है. हालिया अतीत में द केरला स्टोरी, कश्मीर फाईल्स आदि फिल्मों ने समाज में नफरती उन्माद को बढ़ाने का काम किया है। कई अन्य फिल्मों जैसे स्वातंर्त्य वीर सावरकर, 72 हूरें, सम्राट पृथ्वीराज आदि अधिक सफलता हासिल नहीं कर सकीं। अब पूरे देश में और खासकर महाराष्ट्र में छावा नामक फिल्म के शो हाउसफुल हो रहे हैं और नफरत को और बढ़ा रहे हैं। यह कोई इतिहास को दर्शाने वाली फिल्म नहीं है बल्कि शिवाजी सावंत के छावा नामक उपन्यास पर आधारित है। फिल्म में दिखाई गई कुछ असंगत बातों के लिए फिल्म के निर्माता पहले ही माफी मांग चुके हैं। फिल्म में छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन की कुछ चुनिंदा घटनाओं को दिखाकर यह साबित करने का प्रयास किया गया है कि औरंगजेब जालिम और हिंदू विरोधी था। कुल 126 मिनिट की फिल्म में लगभग 40 मिनिट तक संभाजी महाराज को दी गई यंत्रणा को दिखाया गया है। फिल्म के इस हिस्से में फिल्म बनाने वालों ने एक काल्पनिक कथा के लेखक की तरह मनचाही बातें दिखाई हैं। पूरे आख्यान में मध्यकालीन इतिहास को उदार हिंदू राजाओं और दुष्ट मुस्लिम राजाओं के टकराव के रूप में पेश किया गया है। संभाजी महाराज छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे बड़े पुत्र थे। शिवाजी के साम्राज्य में जो अधिकारी थे, उनमें से कई मुसलमान थे। मौलाना हैदर अली उनके विश्वासपात्र सचिव थे और सिद्धी संबल, इब्राहिम गर्दी और दौलत खान समेत उनकी सेना के 12 जनरल भी मुसलमान थे। जब उनका अफजल खां से आमना–सामना होने वाला था तब उन्हें एक लोहे के पंजे साथ ले जाने की सलाह दी गई जो उन्हें उनके सहायक रूस्तम–ए–जमान ने दिया था। अफजल खां को मौत के घाट उतारने के बाद अफजल खां के सचिव कृष्णाजी भास्कर कुलकर्णी ने शिवाजी पर हमला करने का प्रयास किया थाशिवाजी पर आक्रमण करने वाली औरंगजेब की सेना के सेनापति राजा जयसिंह थे। शिवाजी को औरंगजेब के दरबार में पेश होने के लिए बाध्य किया गया और बाद में कैद कर लिया गया। उन्हें कैद से भागने में मदद करने वाले व्यक्ति का नाम मदारी मेहतर था, जो एक मुस्लिम राजकुमार था। हिदुत्व के जनक सावरकर और गोलवलकर संभाजी के चरित्र पर ऊंगली उठाते हैं और सुरा–सुंदरी के प्रति उनकी आसक्ति का जिक्र करते हैं। इन्हीं आदतों के चलते शिवाजी ने उन्हें पनहाला किले में कैद कर दिया था। बाद में संभाजी ने शिवाजी के खिलाफ हुए युद्ध में औरंगजेब का साथ दिया। संभाजी बीजापुर के आदिलशाह के खिलाफ हुए युद्ध में भी औरंगजेब के सहयोगी थे। शिवाजी की मौत के बाद हुए सत्ता संघर्ष में संभाजी के सौतेले भाई (शिवाजी की दूसरी पत्नि सोयराबाई के पुत्र) ने उन्हें जहर देने का प्रयास किया। साजिश का भंडाफोड़ होने के बाद संभाजी ने कई हिंदू अधिकारियों को मौत के घाट उतरवा दिया था। औरंगजेब के साथ हुए युद्ध के लिए औरंगजेब ने अपने जनरल राठौड को भेजा था। संभाजी के पकड़े जाने के बाद उन्हें अपमानित किया गया और यंत्रणा दी गई जिसे बहुत बढ़ा–चढ़ाकर प्रस्तुत किया गया है। फिल्म के जरिए औरंगजेब के संबंध में कई मान्यताओं को और गहरा करने का प्रयास किया गया है। उन्हें अपने विरोधियों के प्रति अत्यंत क्रूर दिखाया गया है। यहां सवाल इन आरोपों का जवाब देने का नहीं है बल्कि साम्राज्यों के संचालन के तौर–तरीकों को समझने का प्रयास करने का है। राजाओं का अपने शत्रुओं के साथ बहुत क्रूर व्यवहार करना आम बात थी और इसके बहुत से उदाहरण मिलते हैं। इतिहासकार रूचिका शर्मा बताती हैं कि चोल राजाओं ने चालुक्य सेना को पराजित करने के बाद चालुक्य जनरल समुद्रराज का सिर धड़ से अलग कर दिया और उसकी सुंदर पुत्री की नाक काट दी। अशोक का कलिंग युद्ध भयावह निर्ममताओं के लिए जाना जाता है। राजाओं का अपने शत्रुओं के प्रति व्यवहार अत्यंत नृशंस होता था और उसे आज के मानदंडों की कसौटी पर नहीं कसा जा सकता और हम आज की घटनाओं के बारे में क्या कहेंगे जब मुसलमानों पर लगे आरोप अदालत में साबित होने के पहले ही बुलडोजर उनके घरों को मिट्टी में मिला देते हैं।हम उस हिंदू राजा के बारे में क्या कहेंगे जिसका एक किला एक पहाड़ की चोटी पर था और राजा के खिलाफ साजिश रचने वालों को हाथ–पैर बांधकर किले से गहरी घाटी में फेंक दिया जाता था? बाला सामंत ने अपनी पुस्तक में सूरत की लूटपाट के दौरान शिवाजी की सेना द्वारा ढाए गए जुल्मों का विवरण दिया है। सेना और जुल्म का बहुत निकट का संबंध था। शत्रुओं के साथ क्रूरता निश्चित ही निंदनीय है, लेकिन यह एक सामान्य बात थी। जब संभाजी की मराठा सेना ने गोवा पर आक्रमण किया, तब एक पुर्तगाली द्वारा दिए गए विवरण के अनुसार (जिसे इतिहासकार यदुनाथ सरकार ने उद्धत किया है) श्अब तक भारत में कहीं भी ऐसी निर्ममता नहीं देखी गई...। हालांकि जुल्मों के इन विवरणों को गौर से देखा जाना चाहिए, लेकिन इससे यह स्पष्ट होता है कि हिंसा एक व्यापक प्रवृत्ति थी, भले ही उसका स्तर कम या ज्यादा होता था। क्या औरंगजेब हिंदू विरोधी था? यह कहा जा सकता है कि औरंगजेब न तो अकबर जैसा था और ना ही दारा शिकोह जैसा। वह एक रूढ़िवादी व्यक्ति था और एक ओर जहां वह हिंदुओं और इस्लाम के गैर–सुन्नी पंथों को पसंद नहीं करता था, वहीं दूसरी ओर वह गठबंधन कायम करने में अत्यंत कुशल था और उसके प्रशासन में बहुत से हिंदू अधिकारी थे। जैसा कि प्रोफेसर अतहर अली बताते हैं कि औरंगजेब के प्रशासन में हिंदू अधिकारियों की संख्या अधिकतम (33 प्रतिशत) थी। यह बिल्कुल सही है कि उसने कई मंदिरों को नष्ट किया। लेकिन उसने कामाख्या देवी (गुवाहाटी), महाकालेश्वर (उज्जैन) चित्रकूट बालाजी और वृंदावन में भगवान कृष्ण जैसे कई मंदिरों को धन भी दिया। शिवाजी भी हजरत बाब बहोत थोरवाले की सूफी दरगाह के लिए धन देते थे। पराजित राजा को अपमानित करने के लिए जीतने वाला राजा उस विशिष्ट पूजा स्थल को नष्ट करता था जो हारने वाले राजा से संबद्ध होता था। अब साम्प्रदायिक इतिहासकार मुस्लिम राजाओं द्वारा नष्ट किए गए मंदिरों की घटनाओं का चुन–चुनकर विवरण दे रहे हैं और मुस्लिम राजाओं द्वारा हिंदू मंदिरों को दिए गए दान की बात को छिपा रहे हैं। औरंगजेब ने 22 साल राज के बाद जजिया कर लगाया। लेकिन ब्राह्मण, अपाहिज और महिलाएं इससे मुक्त थे।

पति और बेटे संग अलाना का सेलिब्रेशन : फूलों वाली ड्रेस में दिखाया ग्लैमरस अंदाज, अनन्या पांडे की बहन ने लुक्स से फिर दी हीरोइनों को मात

> अलाना आए दिन अपने स्टनिंग लुक्स से लोगों का दिल जीत लेती हैं। वहीं एक प्यारे से बेटे की मां बनने के बाद भी हसीना का ग्लैम फैक्टर कम नहीं हुआ। एक बार फिर अलाना ने अपने हुस्न से लोगों को दीवाना बना दिया। दरअसल, अलाना ने हाल ही में अपनी सेकंड वेडिंग एनिवर्सरी सेलिब्रेट की थी।

अनन्या पांडे की चचेरी बहन अलाना पांडे को अगर सोशल मीडिया क्वीन कहें तो कुछ गलत नहीं होगा। हसीना का फैशन सेंस इतना शानदार है कि उसके सामने बॉलीवुड की अच्छी– अच्छी हसीनाओं का पत्ता साफ हो जाए। अलाना आए दिन अपने स्टनिंग लुक्स से लोगों का दिल जीत लेती हैं। वहीं एक प्यारे से बेटे की मां बनने के बाद भी हसीना का ग्लैम फैक्टर कम नहीं हुआ। एक बार फिर अलाना ने अपने हुस्न से लोगों को दीवाना बना दिया। दरअसल, अलाना ने हाल ही में अपनी सेकंड वेडिंग एनिवर्सरी सेलिब्रेट की थी। जहां केक से लेकर डेकोर और उनके कपड़े तक, सबकुछ थीम के हिसाब से रहा। ऐसे में उन्होंने पति आइवर और बेटे रिवर के साथ कई सारी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। जहां हसीना को देखकर कोई नहीं कह सकता कि वह एक बच्चे की मां हैं। अलाना के चेहरे पर निखार साफ दिख रहा है। हसीना ने अपने लिए हाउस ऑफ CB लेबल की ड्रेस सिलेक्ट की। इस आइवरी ड्रेस पर खूबसूरत फ्लोरल प्रिंट हो रखा है। स के अपर पोर्शन को बॉडी फिट रखते हुए नीचे प्लीट्स वाला डिजाइन दिया गया, तो नेकलाइन को वाइट लेस डीटेलिंग से हाइलाइट करके बो बनाई।

अलाना इसे मिनिमल येट स्टाइलिश जूलरी के साथ पेयर किया। उन्होंने क्पवत का खूबसूरत पर्ल नेकलेस पहना। लाइट पिंक हैंडबैग कैरी किया जिसमें उनका ओवरऑल अंदाज दिल को जीत गया। अपने मेकअप को हसीना ने न्यूड ग्लॉसी टच दिया। जिससे उनके लिप्स, ब्लश्ड चीक्स और आईशैडो शाइन करने के साथ ही आउटफिट के साथ जचे। मिडिल पार्टीशन के साथ उन्होंने अपने बालों को स्ट्रैट करके खुला छोड़ दिया।आइवर ने बेज और क्रीम लाइन्स वाली शर्ट पहनी और साथ में आइवरी पैंट्स वियर की। वहीं बेटे रिवर का आइवरी शर्ट और शॉर्ट्स इतने क्यूट लगे कि सब की नजरें उन पर टिक रही थीं।

किलो नहीं, इंच कम हुए हैं, पुराने कपड़े आने लगे फिट..समीरा रेड्डी ने शेयर की फिटनेस जर्नी

समीरा रेड्डी बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी मानी एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जो सोशळ मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी निजी जिंदगी से जुड़े अपडेट फैंस के साथ शेयर करती नजर आती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी फिटनेस यात्रा के बारे में फैंस को बताया और कम हुए वजन पर अपनी खुशी जाहिर की। समीरा रेड्डी ने अपने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह पर्पल ट्राउजर और व्हाइट टॉप में नजर आ रही हैं, जिसके साथ उन्होंने व्हाइट ब्लेजर कैरी किया है। पोस्ट के कैप्शन में समीरा ने लिखा, किलो नहीं, इंच कम हुए हैं। शजिम, डाइट और कार्डियो से वजन में ज्यादा बदलाव नहीं आया है, लेकिन इंच में जरूर बदलाव आया है, जो कि मैं चाहती हूं। हालांकि मैं 90 किलो से 88 किलो पर आ गई हूं। मेरी मसल्स बढ़ी हैं। मैं अब ज्यादा मजबूत महसूस करती हूं। स्टेमिना बढ़ गया है और कपड़े भी अब फिट आ रहे हैं। समीरा ने आगे लिखा, छोटी–छोटी जीत का जश्न मनाना इस फिटनेस यात्रा में उत्साह और जोश बनाए रखने का सबसे बढ़िया तरीका है। समीरा के इस पोस्ट पर यूजर्स की खूब प्रतिक्रियाएं आ रही है। दे दना दन और मुसाफिर जैसी फिल्में देने वाली समीरा रेडी ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि साल 2015 में बेटे हंस को जन्म देने के बाद उनका वजन 105 किलोग्राम हो गया था। प्रेग्नेंसी के बाद बढ़े वजन को कम करने के लिए उन्हें खूब मेहनत करनी पड़ी थी। अपने भारी–भरकम शरीर को देखकर वह डिप्रेशन में चली गई थीं।

नाचे सिकंदर में सलमान खान-रश्मिका मंदाना की केमिस्ट्री ने बढ़ाई फैंस की धड़कनें!

नाचे सिकंदर के टीजर ने पहले ही दर्शकों में जबरदस्त एक्साइटमेंट भर दी थी और अब पूरा गाना इस क्रेज को और भी बढ़ा रहा है। गाने में स्वैग से भरे हुक स्टेप्स देखने को मिल रहे हैं, जो पॉपुलर 'डबके' डांस फॉर्म से इंस्पायर हैं। साथ ही, गाने का भव्य सेटअप इसे और भी ग्रैंड बना देता है। इस ट्रैक में सलमान खान अपने सिग्नेचर स्टाइल और दमदार डांस मूव्स से पूरी स्क्रीन पर छा गए हैं। वहीं, रश्मिका मंदाना हर फ्रेम में अपनी ग्रेस और एनर्जी से कमाल कर रही हैं। गाने का विजुअल और म्यूजिकल ट्रीट दोनों ही फैंस को पूरी तरह एंटरटेन कर रहे हैं। इतना ही नहीं, गाने की भव्यता को एक नए लेवल पर ले जाने का क्रेडिट प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला और डायरेक्टर ए.आर. मुरुगदॉस को जाता है, जिन्होंने शानदार बैकड्रॉप और तुर्की के खास डांसर्स को शामिल करके इसे और भी ग्रैंड बना दिया है। सलमान और रश्मिका के साथ तुर्की के ये डांसर्स पूरी तरह से ताल मिलाते हुए स्टेप्स कर रहे हैं, जिससे गाने में एक अलग ही चार्म जुड़ गया है। अहमद खान की कोरियोग्राफी कमाल की है, जिसमें तुर्की डांसर्स का टच इस पहले से ही एनर्जेटिक ट्रैक को और भी खास बना देता है।

जैसे ही सिकंदर नाचे शुरू होता है, सलमान और रश्मिका के बीच की केमिस्ट्री साफ नजर आती है, जो ऑन–स्क्रीन पेयरिंग के लिए एक नया बेंचमार्क सेट कर रही है। इस गाने की जबरदस्त एनर्जी, रंगीन विजुअल्स और दमदार डांस मूव्स इसे रेडियो से लेकर डांस फ्लोर तक हर जगह पर राज करने के लिए तैयार कर रहे हैं। हाई–एनर्जी सॉन्ग सिकंदर नाचे को जेएएम8 के जबरदस्त म्यूजिक ने जान डाल दी है। सिद्धांत मिश्रा के बनाए कैची मुखड़े और रिफ ने गाने का फील सेट कर दिया, वहीं समीयर के बोल हर बीट को गहराई और स्टाइल देते हैं। अमित मिश्रा, आकासा और सिद्धांत मिश्रा की जोशीली आवाजें गाने की एनर्जी को अगले स्तर पर ले जाती हैं, जिससे ये एक चार्टबस्टर और मस्ट–लिसन हिट बन जाता है। ईद 2025 पर मचने वाला है धमाल! सलमान खान इस बार सिकंदर के साथ बड़े पर्दे पर जबरदस्त वापसी करने जा रहे हैं, जिसमें उनके साथ दिखेंगी खूबसूरत रश्मिका मंदाना। इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है और डायरेक्शन कर रहे हैं ए. आर. मुरुगदॉस। तैयार हो जाइए इस ईद एक जबरदस्त ब्लॉकबस्टर के लिए।

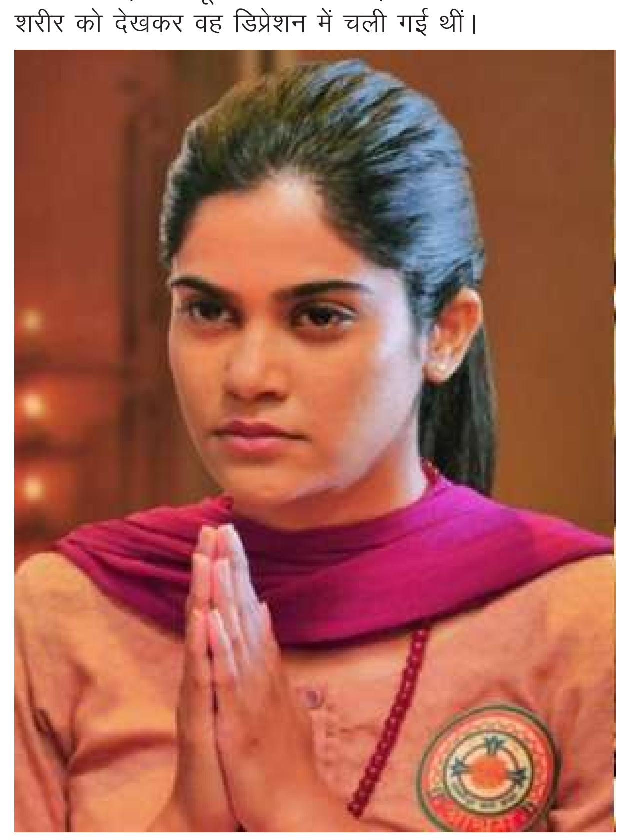

उसने मेरी ब्रेस्ट पकड़ी... भोपा स्वामी की पम्मी के साथ लोकल ट्रेन में हुई गंदी हरकत, खुद बताई आपबीती

आश्रम 3 वेब सीरीज फेम में पम्मी पहलवान का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस अदिति पोहनकर हाल ही में अपने साथ हुए शोषण को लेकर खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कैसे एक स्कूल के लड़के ने लोकल ट्रेन में उनके ब्रेस्ट पकड़ लिए थे। एक इंटरव्यू में अदिति पोहानकर ने कहा–मैंने लोकल ट्रेन में सफर किया है और उस समय फर्स्ट क्लास में स्कूल के लड़कों को आने की इजाजत थी। वे बार को पकड़े हुए थे। मैं 11वीं क्लास में थी और वीमेन कोच में 18 साल से कम उम्र के बच्चों को इजाजत थी, जो स्कूल यूनिफॉर्म वाले होते हैं। तो एक लड़का खड़ा था और जैसे ही ट्रेन स्टेशन से चली, मुझे लगता है कि ये दादर था, उसने बस मेरे ब्रेस्ट पकड़ लिए। अदिति ने आगे कहा मैं उस लड़के की शिकायत करने पुलिस स्टेशन तक चली गई थीं। मैं अगले स्टेशन पर उतर गई और पुलिस स्टेशन गई। पुलिस ने कहा कि अरे ठीक है, कुछ हुआ क्या ज्यादा मैंने कहा कि मेंटली मुझे परेशान किया गया है। तो उन्होंने कहा कि अभी कहां ढूंढेंगे उसको, आप मेरी बात पर यकीन नहीं करेंगे कि वो लड़का वहीं खड़ा था, जहां उसने मेरे साथ जो कुछ भी किया और मैंने उसे पहचान लिया। मैंने कहा कि वो वही आदमी है तो पुलिस ने पूछा कि तुम्हारे पास क्या सबूत है? इसके अलावा एक्ट्रेस ने कहा मैंने कहा कि मैं आपको बता रही हूं कि उसने मेरे साथ क्या किया है, मैं झूठ क्यों बोलूंगी। एक महिला कांस्टेबल मेरे साथ आई और उसने उस लड़के से पूछा कि इसको कुछ किया क्या तुम ने? तो उसने कहा कि नहीं, मैं उस पर जोर से चिल्लाई और वह डर गया क्योंकि वह एक छोटा लड़का था। मैं उससे 2–3 साल बड़ी थी। फिर जब मैंने उसे मारने का इशारा किया, तो उसने कहा कि हां, सॉरी सॉरी, मैंने सचमुच उसका कॉलर पकड़ लिया और कहा कि अब दोबारा किसी के साथ ऐसा करोगे? तभी उसने मुंह खोला और हां कहा

क्या सच में करण कुंद्रा से शादी करेंगी तेजस्वी प्रकाश या फिर पीआर स्टंट है? एक्ट्रेस की मां ने दिया जवाब

बिग बॉस 15 के सीजन में करण कुंद्रा और तेजस्वी का प्यार परवान चढ़ा था। कपल् तीन साल से रिलेशनशिप में है। अभी हाल ही में फराह खान ने तेजस्वी की मां से पूछा कि वे इन दोनों की शादी कब करवाएंगी, तो इस पर उनकी मां ने क्या जबाव दिया, आइए आपको बताते हैं। रियलिटी शो बिग बॉस 15 की विनर रही तेजस्वी प्रकाश इन दिनों काफी सुर्खियों में है। टीवी एक्ट्रेस ने बिग बॉस शो में ही एक्टर करण कुंद्रा के साथ रिलेशनशिप में हैं। शो करे दौरान दोनो के बीच मुलाकात हुई। फिर अच्छे दोस्त बनें और इसके बाद करण ने नेशनल टेलीविजन पर तेजस्वी को प्रपोज किया। इस शो के दौरान दोनों के बीच नोकझोंक और लड़ाइयां देखने को मिली है। हालांकि फिर दोनों ने एक–दूसरे का साथ नहीं छोड़ा था। शो के बाद भी करण और तेजस्वी रिलेशनशिप में ही रहे। हाल ही में फराह खान ने जब तेजस्वी की मम्मी से पूछा कि वह इन दोनों की शादी के बारे में क्या सोच रही हैं।

कहां हैं तेजस्वी के पापा?

कुकिंग रिएलिटी शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ पर तेजस्वी की मम्मी को बुलाया गया। शो में तेजस्वी ने बताया कि उनके पापा विदेश चले गए थे। ऐसे में उनकी मम्मा को अकेले उन्हें और उनके भाई को पालना पड़ा। यह सब सुनकर तेजस्वी की मम्मी इमोशनल हो जाती हैं। इसके बाद शो की होस्ट और जज फराह खान ने तेजस्वी की मम्मा से पूछा कि वह तेजस्वी की शादी कब करवा रही हैं।

तेजस्वी की मम्मी ने दिया जवाब

इस पर तेजस्वी की मम्मी ने दिया जवाब, इस साल। इतना सुनकर तेजस्वी दंग रह जाती है। फराह, तेजस्वी को चिढ़ाते हुए उनकी मम्मा से पूछती हैं, ष्लड़के का नाम श्करणश ही होगा न? इस पर, तेजस्वी की मम्मा हंसते हुए कहती है, हां। तेजस्वी अपनी मां का जवाब सुनकर हैरान रह जाती है। फिर क्या जजेज और अन्य कंटेस्टेंट्स ताली बजाने लगते हैं।

क्या ये पीआर स्टंट है?

जब सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल हुआ तो तेजस्वी और करण के फैंस काफी खुश नजर आएं। लेकिन दूसरी तरफ कहा जा रहा है कि ये सब सेलिब्रिटी मास्टरशेफ की टीआरपी बढ़ाने के लिए किया गया है। ये पीआर स्टंट है।

हेमा मालिनी के खिलाफ दर्ज हुई शिकायत, जगन्नाथ दौरे से विवाद शुरु हुआ

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता और सांसद हेमा मालिनी ने पिछले सप्ताह होली के अवसर पर ओडिशा के पुरी जगन्नाथ मंदिर में दर्शन किए। हालांकि, 'ड्रीम गर्ल' की यात्रा को अवैध माना गया है, जिसके चलते पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। हेमा मालिनी ने पुरी सांसद और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा की मौजूदगी में भगवान जगन्नाथ की पूजा–अर्चना की और उनका आशीर्वाद लिया। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय संगठन श्री जगन्नाथ सेना ने सिंहद्वार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें बीजेपी हेमा मालिनी पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और उनका उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। संगठन ने आरोप लगाया कि भाजपा सांसद ने एक मुस्लिम धर्मेंद्र से शादी की और श्रीमंदिर जाकर परंपराओं का उल्लंघन किया। इसके प्रमुख प्रियदर्शन पटनायक ने मांग की कि अगर दावे सच साबित होते हैं तो हेमा मालिनी की गिरफ्तारी की जाए। हेमा मालिनी ने 1980 में धर्मेंद्र से शादी की थी। शिकायत के अनुसार, धर्मेंद्र जो पहले से ही प्रकाश कौर से विवाहित थे, एक्टर ने इस्लाम धर्म अपना लिया और हिंदू विवाह अधिनियम को दरकिनार कर दिया और मौलाना काजी अब्दुल्ला फैजाबादी द्वारा निकाह करवाकर मालिनी से शादी कर ली। एक्ट्रेस की दो बेटियां हैं, अभिनेत्री ईशा देओल और अहाना देओल और उनके पांच पोते–पोतियां भी हैं। धर्मेंद्र और प्रकाश कौर के चार बच्चे हैं – सनी देओल, बॉबी देओल, विजेता और अजीता।

हेमा मालिनी ने मीडिया से बातचीत की

मीडिया से बात करते हुए हेमा मालिनी ने कहा, ष्जगन्नाथ पुरी में होली मनाकर खुद को धन्य महसूस कर रही हूं। मैं मथुरा से आई हूं... कल हमने मथुरा में होली मनाई थी, आज हम यहां होली मना रहे हैं... मैं व्यवस्थाओं के लिए ओडिशा सरकार, लोगों और संबित पात्रा का आभार व्यक्त करती हूं।ष उन्होंने लोगों से भक्ति भावना से त्योहार मनाने का आग्रह किया और कहा, ष्होली का संदेश है... आप सभी को होली खेलनी चाहिए।

जेगिंग्स वियर करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान, परफेक्ट फिटिंग के साथ दिखेंगी स्टाइलिश

लड़कियों को जेगिंग्स वियर करना काफी पसंद होता है। क्योंकि ये काफी आरामदायक होती है। इसे हम टॉप,शर्ट और कुर्ती के साथ पहनते हैं। लेकिन कई बार हम इसे पहन तो लेते हैं लेकिन यह स्टाइल को काफी खराब कर देता है। इसे कैसे वियर करें ताकि इसमें परफेक्ट फिटिंग आए, इसके लिए आप यहां पर बताए गए ट्रिक्स को ट्राई करें। इस तरह से जेगिंग्स को वियर करने से लुक काफी चेंज हो जाएगा।

जेगिंग्स की लेंथ का रखें ध्यान

जेगिंग्स वियर करते समय कई बार अनकम्फर्टेबल रहता है, ऐसा इसलिए क्योंकि उसकी लेंथ काफी होती है। ये हमारे पैरों को अटपटा लगने लगती है। इस समस्या से बचने के लिए आप जेगिंग्स को अंदर से फोल्ड करके तुरपाई कर लें। वरना इसे किए बिना भी पहन सकती है। जेगिंग्स खरीदते समय आप अपना सही नाप लेकर जाएं और उसके हिसाब से खरीदें।

लॉन्ग टॉप के साथ वियर करें

आमतौर पर जेगिंग्स में हमारी बॉडी शेप अच्छे से नजर आती है। इसे छुपाने के लिए आप लॉन्ग शर्ट या फिर टीशर्ट को पहन सकती है। जब आप टॉप खरीदें तो उसकी लेंथ थोड़ी बड़ी हो ताकि जेगिंग्स के साथ ये अच्छा लगे, साथ ही आपको आरामदायक महसूस हो। इसके साथ आप ओवरसाइज्ड टॉप या शर्ट ले सकती हैं।

फेब्रिक का रखें ध्यान

जेगिंग्स खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि कपड़ा कैसा है। जेगिंग्स में कई बार पैर काफी बेकार दिखते हैं। इसलिए आप कोशिश करें कि आप फैब्रिक को सही तरीके से देखकर इसे खरीदें। न ही इसमें किसी तरह के रुए आएंगे और न ही इसका रंग डल लगेगा। चाहे आप ब्रांड की जेगिंग्स खरीद सकते हैं। इन बातों को ध्यान में रखकर जेगिंग्स को वियर करें। इसके साथ ही आप काफी रिलेक्स फील होगा।

स्वादिष्ट पंजाबी व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध है अमृतसर

अमृतसर, जिसे आम बोलचाल की भाषा में अंबरसर के नाम से जाना जाता है, इतिहास और आध्यात्मिकता से भरपूर एक शहर है। यह भारत के दूसरे सबसे बड़े शहर के रूप में, पंजाब के मध्य में एक प्रमुख सांस्कृतिक और धार्मिक केंद्र के रूप में खड़ा है। यह शहर सिख धर्म के सबसे पवित्र मंदिर स्वर्ण मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। पवित्र अमृत सरोवर (अमृत का तालाब) से घिरा यह भव्य मंदिर सिख वास्तुकला का एक प्रमाण है और सभी लोगों का खुली बांहों से स्वागत करता है। अमृतसर सिख धर्म का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र है। यह स्थान जलियांवाला बाग हत्याकांड और वाघा सीमा से निकटता के लिए भी जाना जाता है। अमृतसर व्यापार और पर्यटन उद्योगों वाला एक संपन्न शहर है। अमृतसर की हलचल भरी सड़कों पर घूमते हुए तमाम तरह के बाजार दिखते हैं जहाँ स्थानीय व्यंजन, रंगीन कपड़े और पारंपरिक शिल्प इंद्रियों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। इस शांतिपूर्ण शहर में दिन की शुरुआत गुरुद्वारों से आध्यात्मिक प्रार्थनाओं के साथ होती है। पाक कला के शौकीनों को अमृतसर की समृद्ध लजीज व्यंजन का आनंद मिलेगा। यह शहर अपने स्वादिष्ट पंजाबी व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध है, जिनमें अमृतसरी कुल्चा, मक्की दी रोटी और सरसों दा साग शामिल हैं। हलचल भरी सड़कें स्ट्रीट फूड स्टालों की चकाचौंध से जीवंत हो जाती हैं, जो स्थानीय लोगों और पर्यटकों को पंजाब के स्वाद का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करती हैं। अमृतसर जाने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक सर्दियों के महीनों के दौरान है, जब मौसम सुहावना होता है, जिससे पर्यटक आराम से शहर का भ्रमण कर सकते हैं। भारत के सबसे अधिक कृषि उत्पादक शहरों में से एक, अमृतसर भारत के अधिकांश महत्वपूर्ण शहरों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

प्रेग्नेंसी का संकेत हो सकता है कि एक दिन पीरियड होना, जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

पीरियड्स होने का मतलब है कि महिला प्रोडक्टिव और फटाईल है और जब चाहे तब कंसीव कर सकती हैं। कंसीव करने के बाद महिलाओं के अंदर कई तरह के लक्षण नजर आते हैं। ऐसे में क्या सिर्फ 1 दिन पीरियड होना प्रेग्नेंसी का संकेत समझा जा सकता है।

आमतौर पर 11 साल की उम्र के बाद से हर लड़की को पीरियड्स होना शुरू हो जाते हैं। जो कि मिड यानी की आधी उम्र तक जारी रहते हैं। किसी महिला को 40 साल की उम्र तक तो किसी को 45 से 50 साल की उम्र तक पीरियड्स होते रहते हैं। पीरियड्स होने का मतलब है कि महिला प्रोडक्टिव और फटाईल है और जब चाहे तब कंसीव कर सकती हैं। कंसीव करने के बाद महिलाओं के अंदर कई तरह के लक्षण नजर आते हैं। प्रेग्नेंसी में थकान, उल्टी, मूड स्विंग, पीठ में दर्द और बार–बार पेशाब जाना आदि शामिल है। प्रेग्नेंसी के सफर में महिलाओं को पीरियड्स नहीं होते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक कंसीव करने के बाद कुछ महिलाओं को ब्लीडिंग हो सकती है। हालांकि इन दिनों में पीरियड्स के दिन कम होने के साथ ही ब्लीडिंग का फ्लो कम हो सकता है। ऐसे में क्या सिर्फ 1 दिन पीरियड होना प्रेग्नेंसी का संकेत समझा जा सकता है। ऐसे में अगर आपके मन भी यह सवाल है, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस बारे में जानकारी देने जा रहे हैं।

एक दिन पीरियड होना

प्रेग्नेंसी के बाद महिलाओं के शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। बदलाव होने का मुख्य कारण हार्मोन में होने वाले बदलाव होते हैं। जब किसी महिला को एक या दो दिन पीरियड होता है, तो इसकी एक वजह प्रेग्नेंसी हो सकती है। जब एग गर्भाशय की लाइनिंग से फर्टिलाइज्ड जुड़ता है। तो इंप्लांटेशन से ब्लीडिंग हो सकती है। यह ब्लीडिंग पीरियड में होने वाली ब्लीडिंग से अलग यानी की हल्की होती है। ऐसी ब्लीडिंग सिर्फ 24 से 48 घंटे तक रहती है। आमतौर पर प्रेग्नेंसी में ब्लीडिंग का रंग हल्का गुलाबी से डार्क ब्राउन हो सकता है। सामान्यतः कंसीव करने के लगभग 10 से 14 दिन बाद इम्प्लांटेशन ब्लीडिंग होती है। हालांकि हर प्रेग्नेंट महिला के साथ ऐसा हो, यह जरूरी नहीं होता है। करीब 15 से 25% प्रेग्नेंसी में इंप्लांटेशन ब्लीडिंग होती है।

एक दिन पीरियड होने की वजह

जब किसी महिला को सिर्फ एक या दो दिन पीरियड्स होते हैं, तो यह सामान्य प्रक्रिया नहीं है। बल्कि इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। महिला में ब्रेस्टफीडिंग करवाने से हार्मोनल बदलाव होते हैं। ऐसे में एक या दो दिन ब्लीडिंग हो सकती है। हार्मोन थेरेपी, आईयूडी और कंट्रासेप्टिव पिल्स की वजह से ब्लीडिंग हल्की हो जाती है। वहीं इसका टाइम पीरियड भी काफी छोटा होता है। अधिक एक्सरसाइज होने की वजह से भी इस तरह की समस्या हो सकती है। बता दें कि कई बार पीरियड्स एक्सेसिव एक्सरसाइज करने की वजह से भी अनियमित हो जाते हैं। स्ट्रेस की वजह से भी एक दिन के लिए पीरियड हो सकता है। क्योंकि अधिक तनाव की वजह से हार्मोन में बदलाव होने लगते हैं, जिसके कारण पीरियड्स प्रभावित हो सकते हैं। जिन लड़कियों व महिलाओं का अचानक से वजन घट या बढ़ जाता है, उनको भी एक दिन पीरियड हो सकते हैं।

11 मिनट की ब्रिस्क वॉक देगी हार्ट प्रॉब्लम्स और कैंसर को मात, जानें कैसे

रोज की सैर कई तरह की बीमारियों का जोखिम कम करती है। हार्ट, कैंसर जैसी बीमारियों से बचने के लिए सैर बेहद फायदेमंद मानी जाती है। एक स्टडी में भी दावा किया गया है कि रोजाना सिर्फ 11 मिनट तक तेज चलने से कई सारी बीमारियों का जोखिम कम किया जा सकता है। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के द्वारा की गई इस स्टडी में फिजिकल एक्टिविटी पर जोर दिया गया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि फिजिकल एक्टिविटी जैसे ब्रिस्क वॉक (यानी के तेजी से चलना या वॉक करना) दिल की बीमारियां, स्ट्रोक और कैंसर का खतरा कम करती है।

11 मिनट की ब्रिस्क वॉक के फायदे

ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित हुई इस स्टडी के अनुसार, हर व्यक्ति को रोज 11 मिनट तेज या मध्यम और हफ्ते में 75 मिनट तक ज्यादा तीव्रता वाली ब्रिस्क वॉक करनी चाहिए। क्योंकि दुनिया में दिल की बीमारी और स्ट्रोक मौत का मुख्य कारण है। दिल से जुड़ी बीमारियों के कारण दुनिया भर में 2019 में करीबन 1.79 करोड़ मौतें हुई थी जबकि कैंसर 2017 में 96 लाख मौतों के लिए जिम्मेदार था। ऐसे में शोधकर्ताओं का मानना है कि फिजिकल एक्टिविटी मुख्य तौर पर ब्रिस्क वॉक करने से इन बीमारियों का खतरा कम होगा। ब्रिटेन की नेशनल हेल्थ सर्विस का कहना है कि हर व्यक्ति को हफ्ते में कम से कम 150 मिनट तक मध्यम–तीव्रता वाली 75 मिनट तक शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए।

जल्दी मौत का खतरा होगा कम

इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने 3 में से 2 लोगों ने हफ्ते में 150 मिनट से ज्यादा मध्यम–तीव्रता वाली एक्सरसाइज की और 10 में से एक ने हफ्ते में 300 मिनट से ज्यादा की फिजिकल एक्टिविटी करने के लिए कहा। ऐसे में शोधकर्ताओं ने देखा जिन लोगों ने 150 मिनट से ज्यादा की मध्यम तीव्रता वाली एक्सरसाइज की थी उनमें किसी बीमारी के होने का या जल्दी मौत का खतरा काफी हद तक कम था। इतना ही नहीं हर हफ्ते 75 मिनट तक फिजिकल एक्टिविटी करने वाले लोगों में भी मौत का जोखिम करीबन 23: तक कम हुआ।

कैंसर और दिल की बीमारियां का जोखिम कम

इस स्टडी में पता चला कि हर हफ्ते सिर्फ 75 मिनट फिजिकल एक्टिविटी करने से दिल की बीमारी के पैदा होने का खतरा 17: तक कम होता है। इसके अलावा कैंसर का जोखिम भी 7: तक कम होता है। जिन लोगों ने फिजिकल एक्टिविटी की उनमें कैंसर का खतरा 14–26: तक कम देखा गया। ऐसे में स्टडी का कहना है कि कोई भी फिजिकल एक्टिविटी नहीं करने से बेहतर है कि यदि आप हफ्ते में 75 मिनट तक कोई फिजिकल एक्टिविटी करते हैं तो कई गंभीर बीमारियों का खतरा कम हो सकता है।

नहीं पड़ेगी सर्जरी या दवा की जरूरत, मोतियाबिंद का खतरा कम करेंगे ये सुपर फूड्स

हेल्दी और ब्समंद खाना बहुत जरूरी है।ये ही एक तरीका है खुद को बीमारियों से दूर रखने का। आंखें शरीर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, लेकिन आज के समय में हम अपनी आंखों की ज्यादा परवाह किए बेगैर जमकर लैपटॉप और फोन का इस्तेमाल करते हैं। इससे आंखों पर बहुत जोर पड़ता है और रोशनी भी कमजोर होने लगती है। अगर ज्यादा समय तक आंखों की हेल्थ को नजरअंदाज किया जाए तो मोतियाबिंद का खतरा रहता है। इससे धुंधलापन, रंगों को ठीक से न पहचान पाना और दिन के समय आंखें चौंधियाना जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। इसे ठीक करने के लिए सर्जरी करवानी पड़ती है। अगर आप मोतियाबिंद की समस्या से बचना चाहते हैं तो बस इन हेल्दी फूड्स को अपनी डाइट में शामिल करें।

एंटीऑक्सीडेंट्स रिच फूड्स

मोतियाबिंद के रिस्क को कम करने के लिए अपनी डाइट में विटामिन सी और ई से भरपूर फूड्स शामिल करें। इनमें बीटा कैरोटिन और ल्यूटिन पाया जाता है, जो आंखो में पड़ने वाले ऑक्सीडेविट तनाव को कम करता है। मोतियाबिंद बुजुर्गों के साथ डायबिटीज के मरीजों को ज्यादा ये समस्या हो सकती है। डाइट में बैरीड, खट्टे फल, नट्स– सीड्स और हरी सब्जियों का सेवन करना चाहिए।

ओमेगा– 3 फैटी एसिड

सेलमोन फिश, फ्लैक्स सीड्स और अखरोट में भरपूर मात्रा में ओमेगा– 3 फैटी एसिड्स और एंटी– इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो मोतियाबिंद से बचाव करते हैं।

विटामिन रिच फूड्स

पालक और शकरकंद जैसे विटामिन रिच फूड्स का सेवन करने से आंखें हेल्दी बनती हैं और मोतियाबिंद का खतरा कम होता है।

मीठा और प्रोस्सेड फूड्स खाने से बचें

आंखों को हेल्दी रखने के लिए मीठे और प्रोस्सेड फूड्स से दूरी बनाकर रखें। ये फूड्स ऑक्सीडेटिव तनाव को बढ़ाने के साथ मोतियाबिंद के खतरे को बढ़ा देती है। इन फूड्स के सेवन के बजाए अपनी डाइट में हेल्दी फूड्स को शामिल करें। ये फूड्स खाने से आंख संबंधित समस्याएं बढ़ सकती हैं।

खुद को रखें हाइड्रेटेड

शरीर को हाइड्रेटेड रखना भी बहुत जरूरी है। भरपूर मात्रा में पानी पीएं। डाइट में ऐसी चीजें लें, जिसमें पानी हो, जैसा खीरा, तरबूज और सेलेरी । इन फूड्स में पानी की मात्रा ज्यादा होती है, जो आंखों को हेल्दी रखने में मदद करती हैं।

नोट–इन फूड्स का सेवन करने के साथ, आंखों का रेगुलर चेकअप कराएं और बाहर जाने पर सनग्लासेस पहनें। इससे मोतियाबिंद का रिस्क कम होगा।

संक्षिप्त

इस्पात उत्पादों पर 200 दिनों के लिए 12% सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश, ये है कारण

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा डीजीटीआर ने घरेलू इस्पात उत्पादकों को आयात में वृद्धि से बचाने के उद्देश्य से कुछ इस्पात उत्पादों पर 200 दिन के लिए 12 प्रतिशत का अनंतिम सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है। पिछले साल दिसंबर में व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने फैब्रिकेशन, पाइप निर्माण, निर्माण, पूंजीगत सामान, ऑटो, ट्रैक्टर, साइकिल और इलेक्ट्रिकल पैनल सहित विभिन्न उद्योगों में उपयोग किए जाने वाले श्गैर–मिश्र धातु और मिश्र धातु स्टील फ्लैट उत्पादोंश के आयात में अचानक वृद्धि की जांच शुरू की थी। भारतीय इस्पात संघ की शिकायत के बाद यह जांच की गई। निदेशालय ने अपनी जांच में प्रारंभिक रूप से पाया है कि भारत में इन उत्पादों के आयात में हाल ही में अचानक, तीव्र और महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, जिससे घरेलू उद्योग/उत्पादकों को गंभीर क्षति पहुंचने का खतरा है। निदेशालय ने 18 मार्च को जारी अधिसूचना में कहा है कि ऐसी गंभीर परिस्थितियां मौजूद हैं, जहां अनंतिम सुरक्षा उपायों के लिए आवेदन में किसी भी प्रकार की देरी से ऐसी क्षति होगी, जिसकी मरम्मत करना कठिन होगा। अनंतिम सुरक्षा उपायों को तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। डीजीटीआर ने एक अधिसूचना में कहा है, प्राधिकरण विचाराधीन उत्पाद के आयात पर अंतिम निर्धारण होने तक 200 दिनों के लिए 12 प्रतिशत की दर से अनंतिम सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। शुल्क लगाने का अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेगा।

कर्ज घटने और सरकारी प्रोत्साहन से निजी क्षेत्र में निवेश का नया दौर, क्रिसिल रिपोर्ट का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का निजी क्षेत्र एक दशक पहले की तुलना में अब निवेश करने की बेहतर स्थिति में है। क्रिसिल इंटेलिजेंस की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, निजी कंपनियों की वित्तीय स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे उन्हें नए निवेश करने में आसानी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, निजी कंपनियों ने कुछ वर्षों में कर्ज लगातार कम किया है। इससे उनका खाता–बही मजबूत हुआ है। यह कम पूंजीगत खर्च, बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए सरकारी पहल, नए शेयर जारी करने और बेहतर क्षमता उपयोग के कारण हुआ है। कंपनियों के कर्ज की तुलना में नेटवर्थ अनुपात में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। यह वित्त वर्ष 2015 में 1.05 गुना से घटकर 2025 में अनुमानित 0.50 गुना हो गया है। इससे कंपनियों के पास विस्तार के लिए नया कर्ज लेने के लिए पर्याप्त गुंजाइश है।

एनपीए घटने से कर्ज मिलने में सुविधा

बैंकों का एनपीए घटने से उद्योगों को कर्ज मिलने में सुविधा हो रही है। 2017 से 2021 के बीच सरकारी बैंकों के 3.3 लाख करोड़ से अधिक के पुनर्पूंजीकरण से उन्हें खाता–बही को साफ करने और पूंजीगत ताकत में सुधार करने में मदद मिली है। बैंकों का सकल एनपीए मार्च, 2018 के 11.2 फीसदी से घटकर मार्च, 2025 में 2.5 फीसदी रह गया है।

सरकारी नीतियों से मिल रहा प्रोत्साहन

रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकारी नीतियों ने भी निजी निवेश को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उत्पादन–लिंक्ड प्रोत्साहन योजना, मेक इन इंडिया पहल, एफडीआई नीतियों, कॉरपोरेट कर में कटौती, बुनियादी ढांचे का विकास और डिजिटल सार्वजनिक ढांचे ने निवेश के माहौल को बेहतर बनाने में योगदान दिया है। मांग में वृद्धि के कारण निजी खपत की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024 में 5.6 फीसदी रही, जिसके 2025 में 7.6 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर सोने का भाव, 91 हजार के पार पहुंचा; चांदी पहली बार एक लाख के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी जारी है। मंगलवार को सोना 500 रुपये महंगा होकर 91,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले, सोमवार को 99.9: शुद्धता वाला सोना 1,300 रुपये बढ़कर 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा था। 99.5: शुद्धता वाला सोना भी 450 रुपये चढ़कर 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया।

सोने की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण

अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत रुझान के कारण विदेशों में सोने की कीमतें नई ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। वहीं ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के चलते कमजोर अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों से यह संभावना बढ़ गई है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व इस साल कई बार ब्याज दरें घटा सकता है, जिससे सोने की कीमतें और चढ़ सकती हैं। जबकि अमेरिका और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच जारी संघर्ष और मध्य पूर्व में अस्थिरता के कारण निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की ओर बढ़ रहे हैं।

चांदी की कीमत स्थिर, लेकिन रिकॉर्ड स्तर पर

चांदी की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ, लेकिन यह पहली बार 1,02,500 रुपये प्रति किलोग्राम के ऐतिहासिक स्तर पर बनी हुई है।

फ्यूचर मार्केट में भी तेजी

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोने के वायदा भाव 649 रुपये बढ़कर 88,672 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गए। वहीं वैश्विक स्तर पर स्पॉट गोल्ड 3,028.49 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

आईपीएल के 'वन सीजन वंडर', एक बार चमकने के बाद फ्लॉप हुए ये खिलाड़ी; शीर्ष सात की सूची में छह भारतीय

नई दिल्ली। आईपीएल का 18वां सीजन 22 मार्च से शुरू होने वाला है। सीजन के पहले मैच में डिफेंडिंग चौंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना विराट कोहली की टीम रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु से ईडन गार्डेंस में होगा। 2008 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट के जरिए कई युवा खिलाड़ियों अपने करियर को निखारा है। उन्होंने टीमों को ट्रॉफी जीतने मदद की है। कुछ क्रिकेटरों ने एक सीजन के प्रदर्शन को आगे भी जारी रखा है। वह नियमित से अच्छा खेल रहे हैं। वहीं, कुछ खिलाड़ी एक सीजन में चमकने के बाद फेल हो गए। वैसे ही सात खिलाड़ियों के बारे में आपको यहां बता रहे हैं...

1. काइल मेयर्स

काइल मेयर्स को लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम ने साल 2023 में मौका दिया था। वेस्टइंडीज के इस ऑलराउंडर ने लखनऊ की टीम के लिए ओपनिंग की और टीम को प्लेऑफ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। मेयर्स ने साल 2023 में 13 मैचों में 144.10 के स्ट्राइक रेट से 379 रन बनाए थे। इनमें चार अर्धशतक शामिल हैं। हालांकि, इसके बाद 2024 में वह लखनऊ के स्क्वॉड में तो रहे, लेकिन खेलने को एक भी मैच नहीं मिला। इसके बाद साल 2025 के मेगा ऑक्शन में वह 1.5 करोड़ के बेस प्राइस के साथ नीलामी में उतरे, लेकिन उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला। ऐसे में एक सीजन के बाद यह खिलाड़ी वन सीजन वंडर्स स्टार्स की लिस्ट में शामिल हो गया।

2. पॉल वाल्थाटी

एक सीजन में कमाल करने के बाद फेल होने वाले खिलाड़ियों की सूची में सबसे पहला नाम पॉल वाल्थाटी का आता है। किंग्स इलेवन पंजाब के लिए 2011 में पॉल वाल्थाटी ने कमाल किया था। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने उस सीजन से पहले 2009 में सिर्फ दो मैच खेले थे। 2011 में पंजाब ने उन्हें ओपनर बनाया। उन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत में ही मजबूत चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ धमाकेदार पारी खेली थी। वाल्थाटी ने 63 गेंदों पर नाबाद 120 रन बनाए। उन्होंने सीजन में 35.61 की औसत से 463 रन बनाए थे। इसके बाद वह अपने फॉर्म को बरकरार नहीं रख पाए। 2012 में उन्हें छह और 2013 में सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला था।

3. सौरभ तिवारी

महेंद्र सिंह धोनी की तरह लंबे बाल रखने के कारण चर्चा में आए बाएं हाथ के बल्लेबाज सौरभ तिवारी ने 2010 में कमाल कर दिया था। मुंबई इंडियंस को उन्होंने फाइनल तक पहुंचने में मदद की थी। सौरभ ने 419 रन उस सीजन में बनाए थे। उन्हें सीजन का इमर्जिंग प्लेयर

चुना गया था। इसके बाद उन्हें भारत के लिए तीन वनडे में भी खेलने का मौका मिला था, लेकिन वह फेल हो गए। 2011 सीजन से उन्होंने कभी भी एक आईपीएल में 200 रन नहीं बनाए। उनका स्ट्राइक रेट भी मुश्किल से 120 के पार जा सका। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण सौरभ को 2022 मेगा ऑक्शन में किसी ने नहीं खरीदा और उनका आईपीएल करियर लगभग समाप्त हो गया।

4. स्वप्निल असनोदकर

शीर्ष क्रम के एक प्रतिभाशाली विस्फोटक बल्लेबाज स्वप्निल असनोदकर ने 2008 में उद्घाटन सत्र में राजस्थान रॉयल्स की खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। असनोदकर ने 2008 सीजन में 311 रन बनाए, लेकिन अगले साल 2009 में जल्द ही फेल हो गए। आठ मैचों में केवल 12 की औसत से रन बनाए। इस दौरान एक भी अर्धशतक नहीं लगाया। अगले दो सीजन में उन्हें तीन मैच खेलने का मौका मिला और फिर उनका आईपीएल करियर समाप्त हो गया। असनोदकर ने 2018 तक गोवा के लिए घरेलू क्रिकेट खेला।

5. मनविंदर बिस्ला

मनविंदर बिस्ला की कहानी आईपीएल में सबसे प्रसिद्ध है। उनके बारे में ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने आईपीएल सिर्फ चेन्नई सुपरकिंग्स को खिताबी हैट्रिक से रोकने के लिए खेला था। बिस्ला ने आईपीएल 2012 के फाइनल में जिस तरह का खेल दिखाया था उससे ऐसा लग रहा था कि वह उनके करियर का आखिरी मैच था। उन्होंने कोलकाता नाइटराइडर्स को चौंपियन बनाया था। ऐसा नहीं है कि बिस्ला का नाम उससे पहले कोई नहीं जानता था। वह 21 मैच खेल चुके थे। उन्होंने एक अर्धशतक लगाया था। चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम फाइनल में उन्हें अपना खतरा नहीं मान रही थी। गौतम गंभीर के शून्य पर आउट होने के बाद बिस्ला ने पारी को संभाला और 48 गेंद पर 89 रन बनाकर टीम को चौंपियन बना दिया। इस मैच के बाद बिस्सा के फॉर्म में गिरावट आई। वह 2013 में 14 मैचों में खेले। उनका औसत 30 से गिरकर 19 पर आ गया। इसके बाद अगले दो सीजन में उन्हें सिर्फ तीन मैचों में खेलने का मौका मिला। 2017 तक उन्होंने घरेलू क्रिकेट खेला।

6. मनप्रीत गोनी

मनप्रीत गोनी 2008 में पहले आईपीएल सीजन से सुर्खियों में आए। उस साल वह चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उन्होंने कुल 17 विकेट झटके थे। इसके बाद उन्हें एशिया कप के लिए भारतीय टीम में भी शामिल किया गया। गोनी ने दो वनडे में दो विकेट लिए। वह अपनी 2008 की सफलता को बाद के सीजन में दोहरा नहीं सके। उन्होंने अपने अगले 28 मैचों में 20 विकेट लिए। 2017 उनका आखिरी सीजन था। उन्होंने आखिरी बार 2019 में घरेलू क्रिकेट खेला था। उसके बाद से वह अलग–अलग छोटी लीगों में खेल रहे हैं।

7. कामरान खान

कामरान खान...बाएं हाथ का वह तेज गेंदबाज जिसने आईपीएल के पहले सीजन यानी आईपीएल के शुरुआती सत्रों में अपनी गति से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था। वह, तेज गेंदबाज जिसे महान शेन वॉर्न ने देश की सबसे बड़ी क्रिकेट प्रतिभा में से एक माना और कहा था, श्कामरान के रूप में प्रतिभा की बर्बादी हुई है। श्टॉरनेडोश के नाम से प्रसिद्ध रहे कामरान अब टेनिस बॉल क्रिकेट लीग का हिस्सा हैं। कामरान फिलहाल 33 साल के हैं। साल 2009 में 145 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद डालने वाले कामरान को वॉर्न ने ही आईपीएल का पहला सुपरओवर कराया था। कामरान ने क्रिस गेल को आउट कर राजस्थान रॉयल्स को वह मैच जिताया था, लेकिन चकिंग के एक आरोप ने उनका करियर खत्म कर दिया था।

लखनऊ–बेंगलुरु, दिल्ली और पंजाब की निगाहें अपने पहले खिताब पर

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल–18 में खेल रही 10 में से छह टीमें ऐसी हैं, जिन्हें इस ट्रॉफी को जीतने का गौरव हासिल हो चुका है, लेकिन चार टीमें ऐसी हैं, जिन्हें अब तक खिताबी जीत नसीब नहीं हुई है। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजाएंट्स ने अब तक आईपीएल नहीं जीता है। ये चारों टीमें इस बार नए भरोसे और नए कप्तान के दम पर पहली खिताबी जीत पर दांव लगाने उतर रही हैं। चारों टीमों ने सिर्फ अपने कप्तान ही नहीं बदले हैं बल्कि टीम और कोचिंग स्टाफ में भी बड़ा बदलाव किया है। यह देखना होगा कि इन चारों टीमों का हर क्षेत्र में किया गया बदलाव रंग लाएगा या नहीं। इन चार में से तीन टीमें ऐसी हैं जो आईपीएल के फाइनल में पहुंचकर खिताब से दूर रह गईं। इनमें आरसीबी तीन बार और दिल्ली–पंजाब की टीमें एक–एक बार फाइनल में पहुंची है। लखनऊ को फाइनल में भी प्रवेश नसीब नहीं हुआ है। आरसीबी ने रजत पाटीदार के रूप में नया कप्तान चुना।

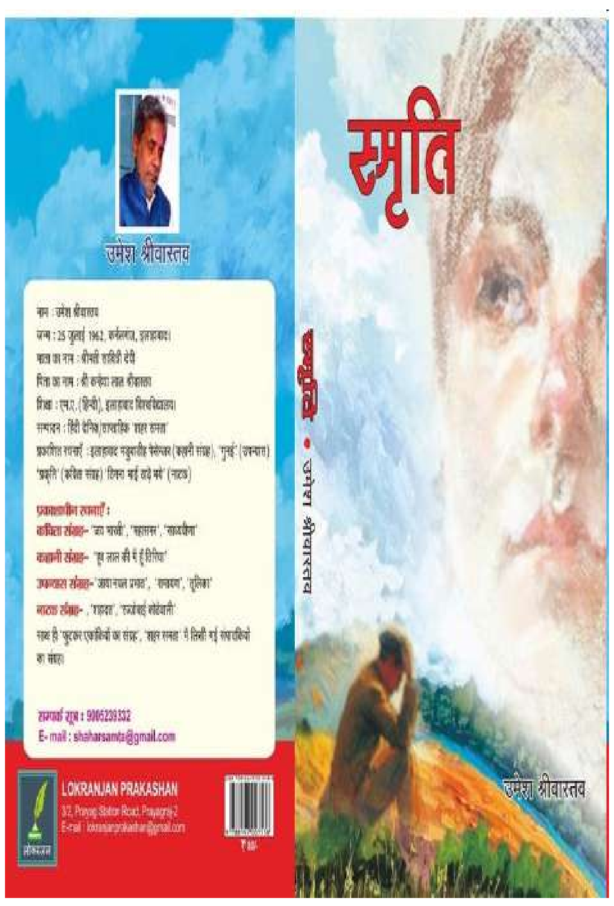

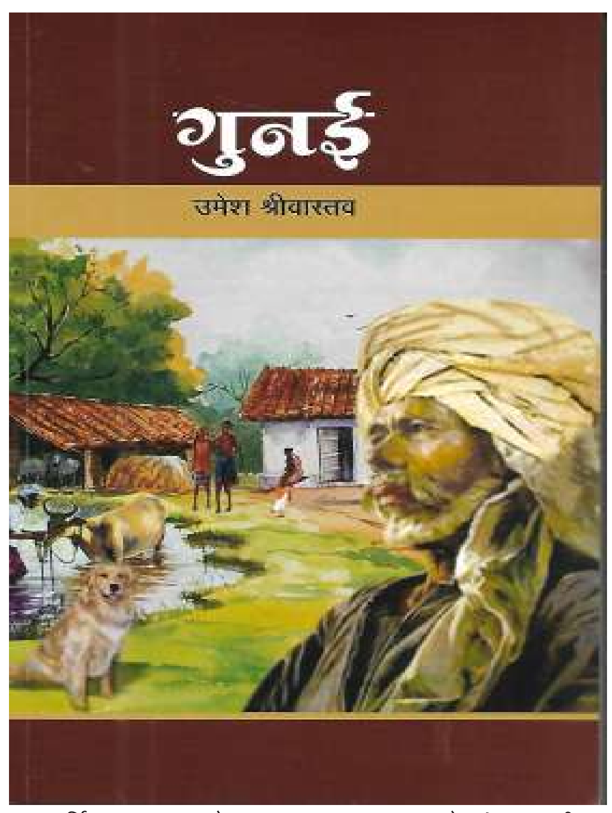

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

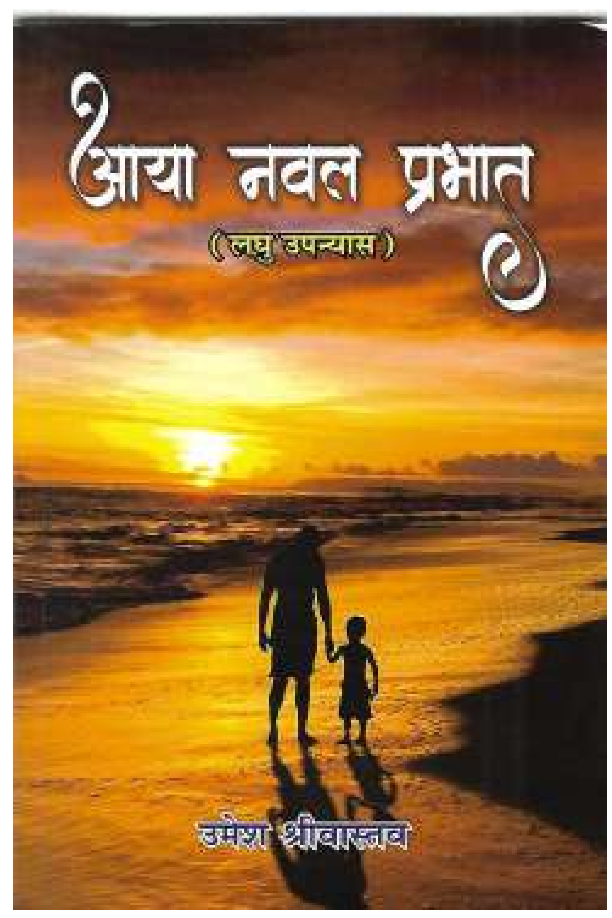

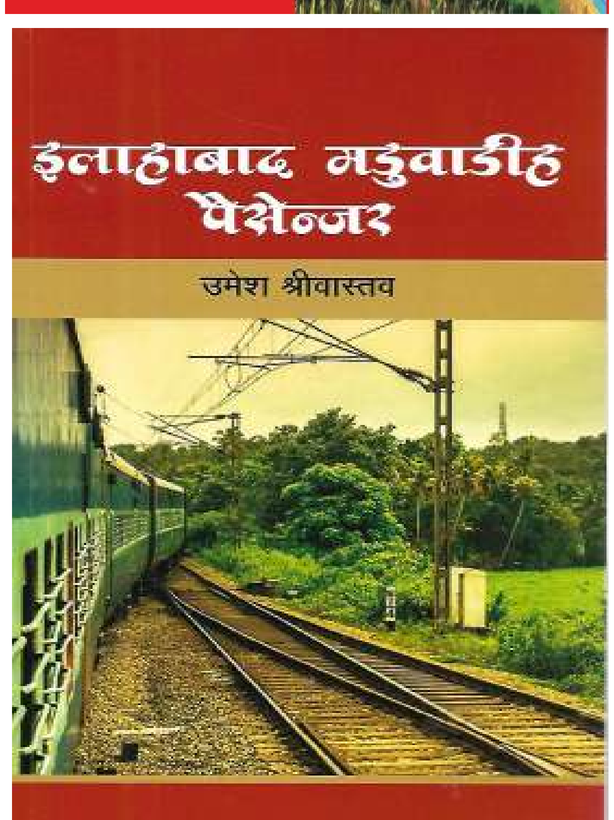

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

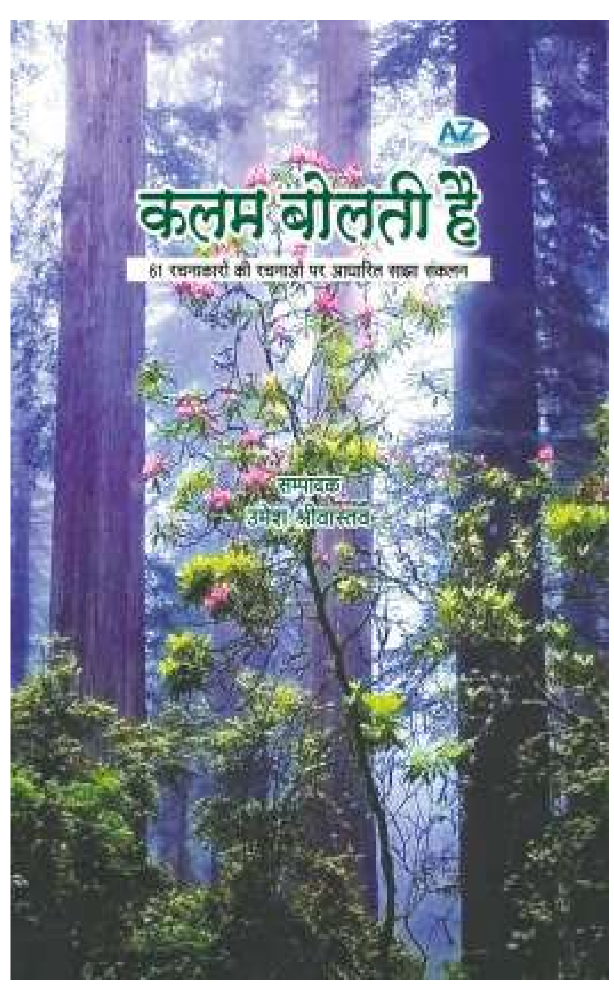

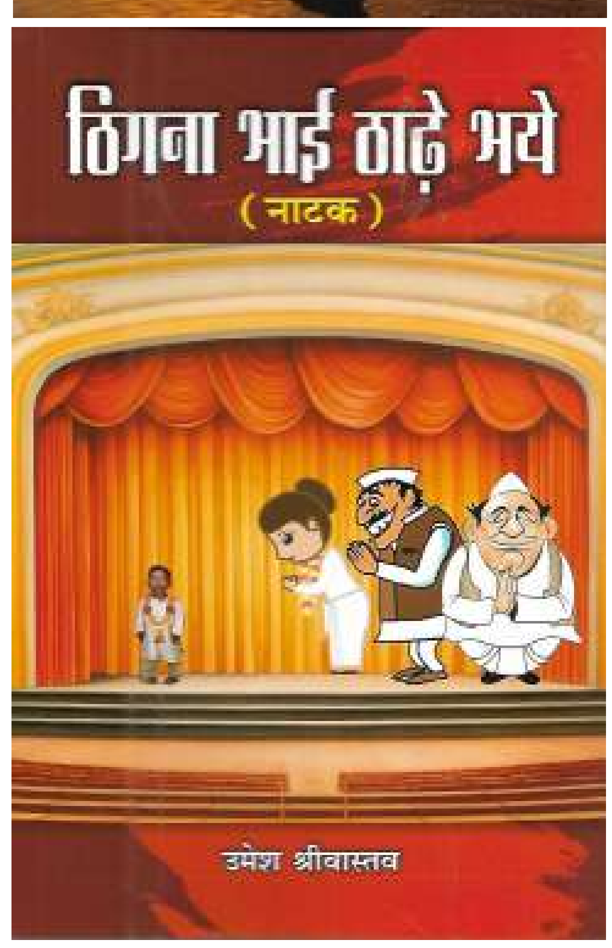

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर एक घंटे से ज्यादा चली ट्रंप और पुतिन के बीच बातचीत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक घंटे से ज्यादा समय तक बातचीत हुई। इस बातचीत के जरिये ट्रंप प्रशासन, रूस के राष्ट्रपति को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को समाप्त करने के

संभावित उपाय के रूप में 30 दिवसीय संघर्षविराम प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के लिए राजी करना चाहता है। अमेरिका और रूस ने बातचीत को लेकर तत्काल कोई विवरण नहीं दिया लेकिन दोनों देशों ने बातचीत समाप्त होने की पुष्टि की। ट्रंप ने कॉल से पहले कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पुतिन के साथ तीन साल के युद्ध के दौरान जब्त की गई भूमि और बिजली संयंत्रों पर चर्चा होगी। ट्रंप ने फोन पर बातचीत से पहले कहा था कि वह पुतिन के साथ उन क्षेत्रों और बिजली संयंत्रों पर चर्चा करेंगे, जिनपर तीन वर्ष से जारी युद्ध के दौरान कब्जा कर लिया गया है।

पुतिन ने युद्ध रोकने के लिए रखी ये बड़ी शर्तें, क्या है रूस का गेम प्लान?

ट्रंप का एक फोन कॉल और तीन साल पुरानी रूस यूक्रेन के बीच की जंग अब थमने जा रही है। तीन साल से ये जंग दुनिया को तबाह कर रहा है। पूरी दुनिया दो धड़ों में बंट चुकी है। लेकिन इसका अंजाम क्या होगा ये किसी ने नहीं सोचा। फिर ट्रंप राष्ट्रपति बने और एक फोन कॉल पुतिन को किया। इस फोन कॉल ने इस युद्ध का हल निकाल दिया। तीन साल से चल रहे इस युद्ध को खत्म करने के लिए पुतिन ने हामी भर दी है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के ऊर्जा संयत्रों पर तीन दिनों के लिए हमले रोकने की सहमति जता दी है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के एनर्जी इंफ्रा पर हमले अस्थायी रूप से रोकने का आदेश दिया है। यह फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ फोन पर हुई वातचीत के वाद लिया गया। क्रेमलिन ने मंगलवार को यह जानकारी दी। क्रेमलिन के वयान के मुताविक, ट्रंप ने 30 दिनों के लिए ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने का प्रस्ताव दिया, जिसे पुतिन ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया। वाइट हाउस ने इस पहल को श्शांति की ओर पहला कदमश वताया है और कहा कि आगे चलकर इसे ब्लैक सी में नौसैनिक युद्धविराम और फिर स्थायी शांति समझौते की दिशा में बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि यूक्रेन इस योजना के साथ सहमत है या नहीं।

यूक्रेन का रुख क्या है?

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पोस्ट में कहा, श्हर दिन लोगों की जिंदगी से जुड़ा हुआ है। रूसी राष्ट्रपति पूतिन ही इस युद्ध को खींच रहे हैं। एक हफ्ते से पूतिन पर यह दबाव नहीं बनाया जा सका है कि वह सीजफायर के प्रस्ताव पर हामी भरें।श बाद में उन्होंने पोस्ट हटा ली।

रूस की मांगें क्या हैं?

रूस चाहता है कि यूक्रेन इस युद्धविराम का इस्तेमाल अपनी सेना को फिर से संगठित करने के लिए न करे।

यूक्रेन नाटो (नाटो) सैन्य गठबंधन में शामिल होने की योजना छोड़ दे।

न्यूक्लियर प्लांट पर चर्चा

वाइट हाउस और रूस के बीच जापोरिज्जिया न्यूक्लियर पॉवर प्लांट को लेकर भी बात हुई। यह यूरोप का सबसे बड़ा न्यूक्लियर पॉवर प्लांट है और युद्ध की शुरुआत से ही रूस के कब्जे में है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी (ᑭ।ᒥ।) कई बार इस प्लांट को लेकर भी चिंता जता चुकी है।

पुतिन और ट्रंप के बीच दो घंटे चली बातचीत के बाद आया जेलेंस्की का बयान, रूस पर जताई आशंका

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने रूस पर आरोप लगाया कि उसने नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए ताजा हमलों के बाद अमेरिका समर्थित युद्धविराम प्रस्तावों को प्रभावी रूप से अस्वीकार कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ 90 मिनट की बातचीत के दौरान, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन की ऊर्जा सुविधाओं पर हमलों को रोकने पर सहमति व्यक्त की, लेकिन जब तक पश्चिम सभी सैन्य सहायता बंद नहीं कर देता, पूर्ण युद्धविराम से इनकार कर दिया। यूक्रेन और रूस संघर्ष को खत्म कराने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से फोन पर बात की। इसकी पुष्टि वाइट हाउस ने की है। वहीं इस बातचीत से पहले यूक्रेन ने रूस की शर्तों को खारिज कर पूतिन पर आशंका जताई है। यूक्रेन का कहना है कि वह सीमा से जुड़ी कोई छूट देने को तैयार नहीं है। दूसरी शर्त है कि वह नाटो के लिए पुतिन की बात मंजूर नहीं करेगा। इसके अलावा रक्षा क्षमता को लेकर पुतिन की कोई सलाह नहीं मानी जाएगी। वाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने रूस जाकर पुतिन से शांति समझौते पर चर्चा की थी, जिसमें रूस ने कुछ शर्ते रख दी थीं। उन्हीं शर्तों को नकारते हुए यूक्रेन ने अपनी शर्तें रखी हैं। ट्रंप ने फोन कॉल से पहले कहा कि वह पुतिन से उस ज़मीन और विजली संयंत्रों पर चर्चा करेंगे, जो तीन साल से जारी इस युद्ध के दौरान रूस ने अपने कब्जे में ले लिए हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा -वादा किया गया, वादा निभाया गया, क्रू-9 अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी की सराहना की, एलन मस्क को दिया धन्यवाद

अंतरिक्ष में फंसे हुए नासा के दो अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर सुरक्षित धरती पर वापस आ गए है। इस ऐतिहासिक पल के बाद व्हाइट हाउस ने मंगलवार (स्थानीय समय) को इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फंसे हुए नासा क्रू-9 अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स, निक हेग, बुच विल्मोर और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव की वापसी को प्राथमिकता दी। व्हाइट हाउस ने कहा कि अंतरिक्ष यात्री अमेरिका की खाड़ी में सुरक्षित लौट आए, तथा उनकी सुरक्षित वापसी का श्रेय एलन मस्क को दिया गया। वादा किया, वादा निभायाः राष्ट्रपति ट्रम्प ने नौ महीने से अंतरिक्ष में फंसे अंतरिक्ष यात्रियों को बचाने का वादा किया। आज, वे सुरक्षित रूप से अमेरिका की खाड़ी में उतर गए, एलन मस्क, स्पेसएक्स और नासा का धन्यवाद!ष एलन मस्क

ने नासा और स्पेसएक्स की टीमों को उनकी सफल वापसी पर बधाई दी और मिशन को प्राथमिकता देने के लिए ट्रंप को धन्यवाद दिया। ष्स्पेसएक्स और नासा की टीमों को एक और सुरक्षित अंतरिक्ष यात्री वापसी के लिए बधाई! इस मिशन को प्राथमिकता देने के लिए डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद! इससे पहले दिन में, नासा क्रू-9 अंतरिक्ष यात्रियों ने स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल के सफल स्पलैशडाउन के बाद नौ महीनों में पहली बार धरती की हवा में सांस ली। सीएनएन ने बताया कि अंतरिक्ष यात्री, जैसा कि प्रथागत है, स्ट्रेचर पर कैप्सूल से उतरे। स्पेसएक्स द्वारा यह एहतियात लंबी अवधि के अंतरिक्ष मिशन से लौटने वाले सभी अंतरिक्ष यात्रियों के लिए बरती जाती है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्षयान में आई समस्याओं के कारण देरी हुई, जो पिछले साल गर्मियों में बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स द्वारा संचालित परीक्षण उड़ान के दौरान सामने आई थी, जिसके कारण अंतरिक्ष यात्री जोड़ी को एक सप्ताह के बजाय नौ महीने तक अंतरिक्ष में रहना पड़ा।

नासा के एक बयान के अनुसार, नासा के स्पेसएक्स क्रू-9 ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एजेंसी के नौवें वाणिज्यिक क्रू रोटेशन मिशन को पूरा कर लिया, तथा यह स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान में सवार होकर अमेरिका की खाड़ी में फ्लोरिडा के तल्हासी तट पर सुरक्षित रूप से उतर गया। नासा के अंतरिक्ष यात्री निक हेग, सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर, रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री अलेक्सांद्र गोरबुनोव के साथ शाम 5रू57 बजे पूर्वी समय पर पृथ्वी पर वापस आ गए। स्पेसएक्स रिकवरी जहाजों पर सवार टीमों ने अंतरिक्ष यान और उसके चालक दल को वापस लाया। तट पर लौटने के बाद, अंतरिक्ष यात्री अपने परिवारों से मिलने के लिए ह्यूस्टन में नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर जाएंगे। नासा की कार्यकारी प्रशासक जेनेट पेट्रो ने कहा, ष्हम सुनी, बुच, निक और अलेक्सांद्र को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर महत्वपूर्ण विज्ञान, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन और रखरखाव के लिए महीनों तक चले मिशन के बाद घर वापस पाकर रोमांचित हैं।ष ष्राष्ट्रपति ट्रम्प के निर्देशानुसार, नासा और स्पेसएक्स ने एक महीने पहले ही कार्यक्रम को पूरा करने के लिए लगन से काम किया। इस अंतरराष्ट्रीय चालक दल और ज़मीन पर मौजूद हमारी टीमों ने ट्रम्प प्रशासन की चुनौती को स्वीकार किया, जिसमें हमारे चालक दल को घर वापस लाने के लिए एक अद्यतन और कुछ हद तक अनूठी मिशन योजना शामिल थी। तैयारी, सरलता और समर्पण के माध्यम से, हम मानवता के लाभ के लिए एक साथ मिलकर महान चीजें हासिल करते हैं, जो पृथ्वी की निचली कक्षा से लेकर चंद्रमा और मंगल तक की सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं,'' पेट्रो ने कहा।

सरेंडर करने को तैयार हुआ यूक्रेन ? जीत गया रूस ?

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सीजफायर के लिए तो राजी हो गए हैं। लेकिन पुतिन ने अपनी तोंप और बंदूकों को शांत रखने के लिए कुछ शर्तें अमेरिका के सामने रखी हैं। पुतिन ने अमेरिका से यूक्रेन को हथियार की सप्लाई बंद करने को कहा है। यूरोप की तरफ से ये फैसला लिया जाना चाहिए। साथ ही जंग में कब्जाई गई जमीन पर रूस का ही कंट्रोल होगा। नाटो की तरफ से वादा किया जाए कि यूक्रेन को सदस्य नहीं बनाया जाएगा। ये कुछ सशर्ते सीजफायर के लिए पुतिन राजी हुए हैं। यूक्रेन की तरफ से लगातार नाटो का सदस्य बनाने की मांग की जा रही है। लेकि भविष्य में भी नाटो इस पर बिल्कुल भी अमल न करे कुछ इस तरह का वादा पुतिन अमेरिका से चाहते हैं। यूक्रेन न्यूट्रल पोजीशन में रहेगा। इसके साथ ही यूक्रेन की सेना में नई भर्ती न की जाए। कुर्क में मौजूद यूक्रेन के सैनिकों को सरेंडर करना होगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को संदेह है कि पुतिन ट्रंप को

दिखावटी समर्थन देने के अलावा और कुछ नहीं कर रहे हैं, जबकि रूसी सेना उनके देश पर बमबारी जारी रखे हुए है। यूक्रेन का कहना है कि वह सीमा से जुड़ी कोई छूट देने को तैयार नहीं है। दूसरी शर्त है कि वह नाटो के लिए पुतिन की बात मंजूर नहीं करेगा। इसके अलावा रक्षा क्षमता को लेकर पुतिन की कोई सलाह नहीं मानी जाएगी। वाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने रूस जाकर पुतिन से शांति समझौते पर चर्चा की थी, जिसमें रूस ने कुछ शर्ते रख दी थीं। उन्हीं शर्तों को नकारते हुए यूक्रेन ने अपनी शर्तें रखी हैं। अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान युद्ध को शीघ्र समाप्त करने का संकल्प जताने वाले ट्रंप ने कई बार पुतिन के साथ अपने संबंधों का बखान किया और रूस के अकारण आक्रमण के लिए यूक्रेन को दोषी ठहराया। इतना ही नहीं उन्होंने जेलेंस्की पर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में सबसे बड़े युद्ध को अनावश्यक रूप से लंबा खींचने का आरोप लगाया। रूस ने 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण शुरू करने के बाद यूक्रेन के चार क्षेत्रों पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। इनमें पूर्व में डोनेत्स्क और लुहान्स्क क्षेत्र तथा देश के दक्षिण-पूर्व में खेरसॉन और ज़ापोरिज्जिया क्षेत्र शामिल हैं, लेकिन चारों में से किसी पर भी उसका पूरी तरह से नियंत्रण नहीं है।

अंतरिक्ष में फंसे रहने के बाद नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की सकुशल घर वापसी

करीब नौ महीने तक अंतरिक्ष में फंसे रहने के बाद नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की सकुशल घर वापसी हो गई है। वे भारतीय समयानुसार, मंगलवार सुबह 10:35 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से स्पेसएक्स के श्ड्रैगनश कैप्सूल के जरिए पृथ्वी की ओर रवाना हुई। उनके साथ विलमोर, निक हेग और रूस के एलेक्जेंडर गोरबुनोव भी मौजूद थे। चारों ने फ्लोरिडा के तट के पास बुधवार तड़के 3:27 बजे समुद्र में लैंड किया। स्पेसक्राफ्ट 'ड्रैगन' 10 बार अंतरिक्ष यात्रियों को सकुशल स्पेस स्टेशन ले जा चुका है और 9 बार वापस भी लौट चुका

है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की पृथ्वी पर वापसी की सराहना की और कहा कि क्रू-9 अंतरिक्ष यात्रियों की उपलब्धि "हमें दिखाती है कि दृढ़ता का वास्तविक अर्थ क्या है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नासा का क्रू-9 मिशन धैर्य, साहस और असीम मानवीय भावना की परीक्षा रहा है। पीएम ने एक्स पर लिखा कि सुनीता विलियम्स और क्रू9 अंतरिक्ष यात्रियों ने एक बार फिर हमें दिखाया है कि दृढ़ता का असली मतलब क्या है। विशाल अज्ञात के सामने उनका अटूट दृढ़ संकल्प हमेशा लाखों लोगों को प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा अंतरिक्ष अन्वेषण का मतलब है मानवीय क्षमता की सीमाओं को आगे बढ़ाना, सपने देखने का साहस करना और उन सपनों को हकीकत में बदलने का साहस करना। सुनीता विलियम्स, एक पथप्रदर्शक और एक आदर्श, ने अपने पूरे करियर में इस भावना का उदाहरण पेश किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप करेंगे मुलाकात

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि जब सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे तो वे दोनों से ओवल ऑफिस में मुलाकात करेंगे।

भारत में आपका स्वागत करने की प्रतीक्षा कर रहे

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया, पीएम नरेंद्र मोदी ने 1 मार्च को सुनीता विलियम्स को एक पत्र लिखा। उन्होंने श्भारत की बेटीश के प्रति अपनी चिंता व्यक्त की। लिखा- 'भले ही आप हजारों मील दूर हैं, आप हमारे दिलों के करीब हैं। भारत के लोग आपकी अच्छी सेहत और मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। आपकी वापसी के बाद हम भारत में आपका स्वागत करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। भारत के लिए यह गर्व की बात होगी कि वह अपनी सबसे प्रतिष्ठित बेटियों में से एक की मेजबानी करे। बोनी पंड्या (सुनीता की मां) आपकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रही होंगी। मुझे यकीन है कि दिवंगत दीपकभाई (पिता) का आशीर्वाद भी आपके साथ है।

परिवार ने क्या कहा

भारतीय मूल की नासा अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के परिवार ने आज कहा कि वे ''खुश'' हैं कि वह अंतरिक्ष में नौ महीने के अप्रत्याशित प्रवास के बाद सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौट आई हैं। उनकी भाभी फल्गुनी पंड्या ने एनडीटीवी से कहा कि वह क्षण अवास्तविक था। स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान का जिक्र करते हुए, जो सुश्री विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर को वापस लाया, जो आज सुबह फ्लोरिडा के तट पर एक नरम स्पलैशडाउन कर रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने सुनीता विलियम्स को उनके जन्मदिन पर लोकप्रिय भारतीय मिठाई काजू कतली भेजी थी। अंतरिक्ष यात्री ने 19 सितंबर को अंतरिक्ष में अपना 59वां जन्मदिन मनाया था। पांड्या ने यह भी कहा कि जब उन्होंने सुश्री विलियम्स को बताया कि वह उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ देखने जा रही हैं, तो उन्होंने उनसे तस्वीरें मांगी थीं।

45 देश हाथ मिलाने आए, भारत बनेगा नया अमेरिका

दुनिया के बड़े अर्थशास्त्री और फाइनेंशियल एक्सपर्ट ने 10 से 12 साल पहले भविष्यवाणी की थी कि एक दिन भारत अमेरिका और चीन को टक्कर देगा। लेकिन किसी ने ये नहीं सोचा था कि वो दिन इतनी जल्दी आ जाएगा। आज दुनिया के 45 से ज्यादा देश भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट एफटीए साइन करने की लाइन में खड़े हैं। ऐसा अचानक क्या हो गया? अमेरिका और चीन की जगह भारत को प्राथमिकता क्यों दी जा रही है? दरअसल, इसके पीछे की बड़ी वजह ये दोनों देश खुद ही हैं। अमेरिका और चीन ने एक दूसरे के खिलाफ ट्रेड वार छेड़ रखा है। डोनाल्ड ट्रंप ने जब से दोबारा व्हाइट हाउस में प्रवेश किया

है हर देश को डराने का टैरिफ और टैक्स उनका पसंदीदा हथियार बन गया है। चीन पर भरोसा पहले ही कम हो चुकी है। कोविड और ताइवान विवाद के बाद तो खासकर। ऐसे में भारत दुनिया के लिए सबसे भरोसेमंद विकल्प बन गया है। ऐसे में भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था ने 45 देशों को अपनी ओर खींचा है। भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अगले कुछ सालों में वो तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर है। 140 करोड़ से ज्यादा की आबादी भारत को दुनिया की सबसे बड़ी कंज्यूमर मार्केट बनाती है। ऐसे में विदेशी कंपनियां अब भारत में अपने प्रोडक्ट बेचना चाहती हैं और यहां की मैन्यूफैक्चरिंग का फायदा उठाना चाहती हैं। मोदी सरकार ने पिछले दस सालों में मेक इन इंडिया, आत्म निर्भर भारत और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं से भारत को मैन्यूफैक्चरिंग हब बना दिया है। अब दुनिया भारत के साथ व्यापार करने के लिए नई दिल्ली के चक्कर काट रही है।

किन देशों ने एफटीए पर बातचीत शुरू की

सबसे पहले यूरोपीय संघ के 27 देशों से भारत की बातचीत हुई। फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन ईयू के 27 देश भारत के साथ व्यापार समझौता करना चाहते हैं। इसके बाद गल्फ काउंसिल के छह देश हैं जो भारत के साथ एफटीए करना चाहते हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

संघीय जज ने ट्रंप का फैसला पलटा, ट्रांसजेंडर्स के सेना में शामिल होने पर लगी रोक हटाई

वॉशिंगटन। अमेरिका के एक संघीय जज ने ट्रंप प्रशासन को झटका देते हुए सरकार के उस कार्यकारी आदेश पर रोक लगा दी है, जिसके तहत ट्रांसजेंडर्स के सैन्य सेवाओं में शामिल होने पर रोक लगा दी गई थी। वॉशिंगटन डीसी की संघीय जज एना रेज ने अपने आदेश में कहा कि ट्रांसजेंडर्स को सेना में शामिल होने से रोकना, उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है।

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।